हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार, 25 मई 2025

10 नहर आने के दो दिन बाद भी पेयजल संकट, लोग परेशान

11 धर्म, न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक थी...

डॉ. मानस रंजन मल्लिक
जनरल सर्जरी, गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल सर्जरी और लेप्रोस्कोपिक सर्जरी विशेषज्ञ
MBBS, MS (General Surgery) Fellowship in Gastro Surgery, FMAS, FAIS
8+ Years Of Experience

सुरक्षित उपचार,स्वस्थ जीवन
डॉ. मानस रंजन मलिक के साथ
लगातार पेट दर्द या सूजन | पित्त की थैली में पथरी | हर्निया की समस्या | हाइड्रोसील | आंतों में ट्यूमर या रुकावट | लिवर में गांठ या अन्य विकार | बार-बार एसिडिटी या अपच | पाइल्स, फिशर या गुदा से रक्तस्राव | ब्रेस्ट या थायरॉइड में असामान्य गांठ | कोलोरेक्टल समस्याएं
यदि आप भी इन समस्याओं से परेशान हैं, तो आज ही हमारे विशेषज्ञ से परामर्श करें

एम्बुलेंस/आपातकालीन सहायता के लिए संपर्क करें:
70 09 09 0924
MK Hospital
5th Mile Stone, Bhiwani - Delhi Road, Bhiwani, Haryana
TPA और कैशलेस सुविधा उपलब्ध

झुग्गियां खाली करवाने को लेकर दिया धरना

- आरडब्ल्यूए व रेल अंडरपास महापंचायत धरने पर बैठी
- बार-बार अवगत करवाने के बावजूद भी अधिकारी नहीं दे रहे समाधान की तरफ ध्यान : लाल पहलवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लाइनपार क्षेत्र में अवैध बांग्लादेशी, रोहिंग्या, नशा तस्कर, छीना झपटी, सरकारी भूमि से अवैध कब्जा हटवाने मांग को लेकर रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन रेलवे लाइनपार क्षेत्र (आरडब्ल्यूए) व रेल अंडरपास महापंचायत द्वारा शनिवार को तोशाम फाटक पर धरना देकर रोष जताया गया।

महापंचायत के प्रधान लाला पहलवान व आरडब्ल्यूए प्रधान एडवोकेट राकेश पंवार ने संयुक्त रूप से बताया कि रेलवे लाइनपार क्षेत्र में अरबों रुपये की जिला परिषद व नगर परिषद की सरकारी जमीन पर अनेक अवैध झुग्गियां, बांग्लादेशी तथा रोहिंग्याओं ने बना रखी हैं। इन लोगों द्वारा यहां के एकमात्र मुख्य मार्ग जो बीडीपीओ ऑफिस से कंज्यूमर कोर्ट तक जाता है, उसके फुटपाथ पर भी कब्जा करके अनेक अवैध निर्माण कर रखे हैं। यह लोग कबाड़ी के काम की आड़ में नशा, ड्रग्स तस्करी तथा लूटमार करते हैं। इससे क्षेत्र वासियों का जीना दूभर हो गया है। उन्होंने कहा कि प्रशासन को अनेक बार शिकायत करने पर भी कोई कार्यवाही नहीं की जा रही है। इससे क्षेत्र के लोगों में सरकार व प्रशासन की प्रति बहुत रोष है। प्रशासन को चेताने के लिए एक दिन का रोष प्रदर्शन किया गया है। पार्षद शिव कुमार ने बताया कि इस इलाके में बाहरी लोग रह रहे है। उनको यह भी जानकारी नहीं है कि ये किस बिरादरी के है। इनका रहन सहन व खाना पीना भी अलग तरह का ही है। ये रात के वक्त देर सवेर यहां से गुजरने वाले लोगों के साथ हाथापाई भी करते है। इन्होंने सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा किया हुआ है। इस मौके पर रामसिंह वैद्य, पार्षद शिवकुमार, भूतपूर्व पार्षद बृजलाल आदि मौजूद रहे।

शरारती तत्वों के होने की शिकायत मिली : शहर थाना प्रभारी सत्यनारायण ने बताया कि उनको रेलवे लाइन पार इलाके में शरारती तत्वों के होने की शिकायत मिली है। अब जांच करवाई जा रही है। उन्होंने बताया कि चलाए जा रहे अभियान के तहत भी जांच की जाएगी। जिसके पास वैध दस्तावेज मिलेंगे। उनको छोड़ा जाएगा। बाकी को यहां से निकाला जाएगा।

J.N. HIGH SCHOOL, BHIWANI
Mob-9416503511
Heartfelt Congratulations
to Meritorious Students of Class-10th 2024-25

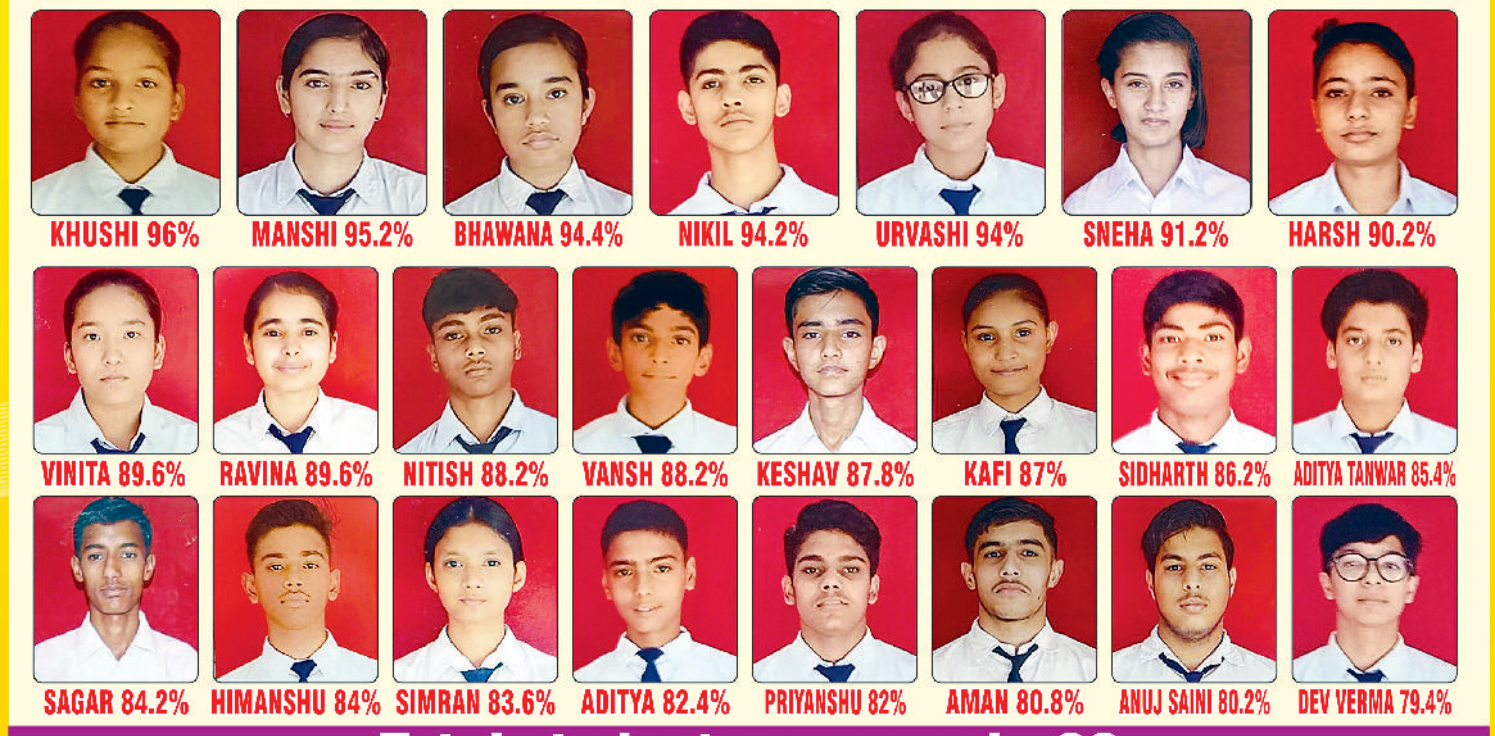

Total students appeared=32
90% & above=7 75% & above=26 1st division=32

DELHI WORLD PUBLIC SCHOOL, BHIWANI
(Under the aegis of Delhi World Foundation, New Delhi)
CBSE Affiliation No. 530718, Devsar Morh, Loharu Road, Bhiwani - 127021
Ph. No. 8685800161, 9350310248
email: dwps_bhiwani@hotmail.com
ADMISSIONS OPEN
ADMISSIONS OPEN
Scan the QR code for Prospectus

SCHOOL TOPPER CLASS X
Total Students Appeared = 65 |
Above 95% =7 Student |90 to 95 =10 student| | Distinction= 28 Students |
First Division= 57 Students

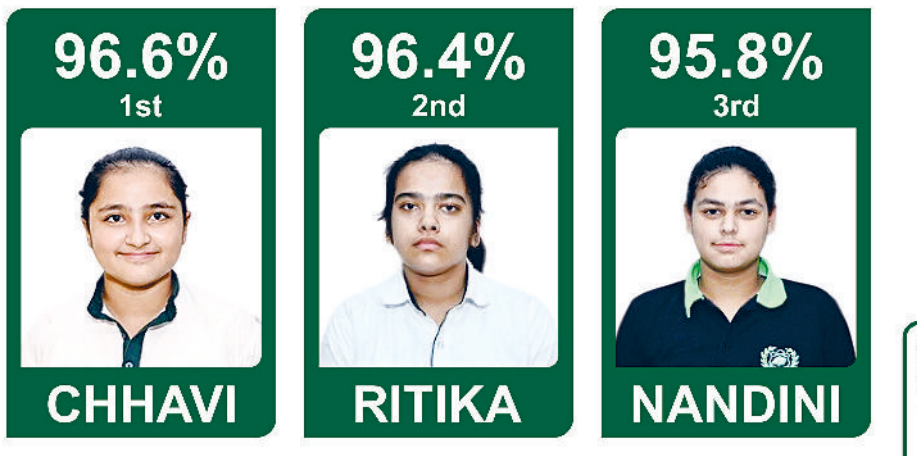

(Subject Topper in Social Sc., Mathematics, Sanskrit, English, Science & Hindi)

MEET OUR CLASS X TOPPERS

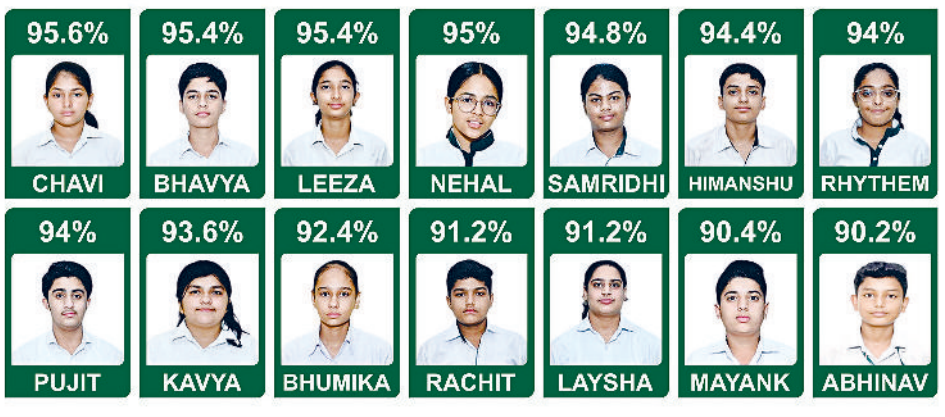

BHIWANI CITY TOPPER IN COMMERCE CLASS XII

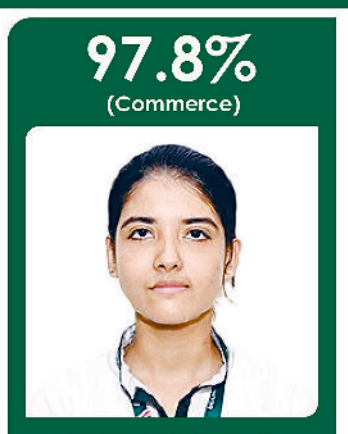

Concession and Rewards for students in class XIth for new and old admissions
1. 96%& above full fee concession including all charges and funds + Memento and certificate
2. 93% and above 75% tuition fee concession + memento and certificate
3. 91% and above 50% tuition fee concession + memento and certificate

FREE FOUNDATION SESSIONS BY SPECIAL EXPERTS
IIT JEE, NEET, OLYMPIAD AND NDA with SSB interview tasks
DURING SCHOOL HOURS
FROM GRADE 6TH to 12TH
(SPECIAL DESIGNED CURRICULUM)

SCHOOL TOPPER CLASS XII
Total Students Appeared = 52 | 95% and Above= 2 Students |
90% and Above= 4 Students |
Distinction= 24 Students | First Division= 44 Students

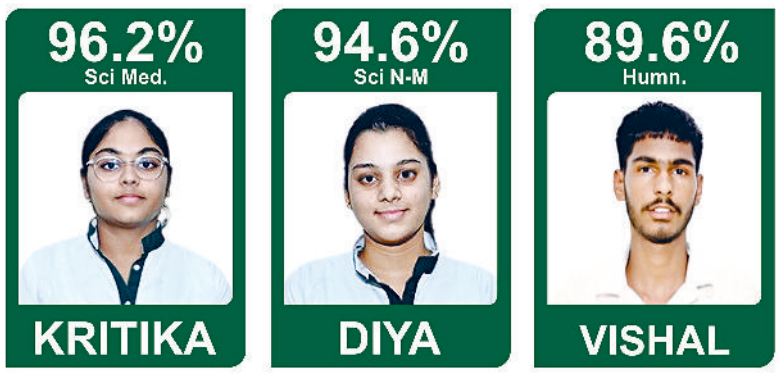

MEET OUR CLASS XII TOPPERS

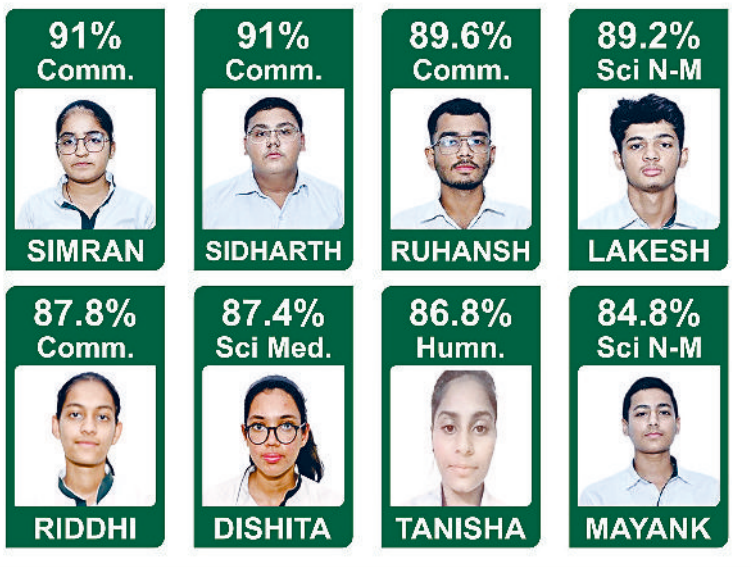

खबर संक्षेप

राज्य सूचना आयुक्त बनाने पर बाटी मिठाई

भिवानी। भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य शंकर धूपड़ की बेटी एडवोकेट प्रियंका धूपड़ को हरियाणा सरकार में राज्य सूचना आयुक्त पद पर नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति पर भाजपाइयों ने मिठाई बांटकर बधाई दी। राज्य सूचना आयुक्त बनाए जाने पर क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस नियुक्ति पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने सरकार का आभार व्यक्त किया है। राज्य सूचना आयुक्त के पद पर एडवोकेट प्रियंका धूपड़ की नियुक्ति कर सरकार ने बेहतरीन कार्य किया है।

30 तक चलेगा जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान

तोशाम। एसडीएम डॉक्टर अशवीर सिंह नैन ने बताया कि गिग एवं प्लेटफार्म श्रमिकों का सरकार की विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के उद्देश्य से 30 मई 2025 तक जिला भिवानी में विशेष जागरूकता एवं पंजीकरण अभियान चलाया जा रहा है। पंजीकरण के लिए आधार कार्ड, पैन कार्ड, आधार लिंक के लिए एक ही नम्बर के मोबाइल का इस्तेमाल करें। सही जानकारी और पंजीकरण में सहायता के लिए 'श्रमिक सहायता सेवा' 1800-180-2129 पर संपर्क करें।

तोड़फोड़ की घटना के बाद भी पुलिस के हाथ खाली

भिवानी। बवानीखेड़ा तहसील परिसर में अधिवक्ता का चेम्बर के साथ संविधान रचयिता डॉ. बीआर अंम्बेडकर की फोटो के बेअदबी मामले को दस दिन से ज्यादा का समय बीत गया। पुलिस में लिखित शिकायत भी दी,लेकिन आज तक जांच पड़ताल दो कदम से आगे भी नहीं सरक पाई है। इस मामले में जब पुलिस से मुलाकात की जाती है तो जल्द कार्रवाई का आश्वासन देकर टाल रहे है। इसी मामले को लेकर हरियाणा जागृति मोर्चा व अनेक सामाजिक संगठन तथा तहसील परिसर के अधिवक्ता व प्रकरण संयोजक अधिवक्ता रामकिशन काजल सोमवार को तहसील परिसर में बैठक आयोजित करेंगे और आगे की रणनीति तय की जाएगी।

बच्चों को बतानी होगी पेड़-पौधों की अहमियत

भिवानी। विद्यार्थियों को अपने जन्मदिन या अन्य अवसर पर स्कूल में शिक्षकों व अपने साथियों को टॉफिया, चॉकलेट या मिठाई वितरित करने की बजाय पौधें वितरित करने चाहिए। वहीं छोटे बच्चों को शुरू से ही पेड़-पौधों की अहमियत बताकर उनको जागरूक किया जाए तो बड़ा होकर वे पर्यावरण के बेहतर संरक्षक बन सकते है, ये बात त्रिवेणी बाबा ने लिटल हार्ट इंटरनेशनल स्कूल में 9वीं कक्षा के छात्र शंकर नर्सरी संचालक चंद्रमोहन के बेटे कृत्य तौमर के 14वें जन्मदिन पर विद्यालय में पौधरोपण करने के उपरांत कही। हवलदार लोकराम नेहरा ने कहा कि सभी लोग अपना जन्मदिन पौधरोपण करके मनाने लग जाए तो पर्यावरण प्रदूषण की समस्या स्वतः ही खत्म हो जाएगी।

कई मोहल्लों व गलियों में 15 दिनों से नहीं आई सप्लाई

नहर आने के दो दिन बाद भी पेयजल संकट, लोग परेशान

- बर्तन बाजार से लगती फूलों वाली गली में पेयजल संकट
- पार्षद प्रतिनिधि पवन मस्ता के नेतृत्व में कार्यकारी अभियंता सूर्यकांत से मिले क्षेत्रवासी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। पानी की मांग को लेकर अधिकारी से बातचीत करते हुए। फोटो :हरिभूमि

दो दिनों से नहर आने के बाद भी शहर का भंयकर जल संकट दूर नहीं हो पा रहा है। कई मोहल्लों व गलियों में पिछले 15 दिनों से पीने के पानी की एक बूंद के लिए लोग तरस रहे है। शहर में बर्तन बाजार के समीप वार्ड नंबर-28 फूलों वाली गली के एक दर्जन से अधिक नागरिक पार्षद प्रतिनिधि पवन मस्ता के नेतृत्व में पानी की शिकायत लेकर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता सूर्यकांत के आवास पर सुबह 7.30 बजे पहुंच गए। इस दौरान कोठी का गेट खटखटाने के बाद भी अभियंता साहब ने गेट नहीं खोला। नागरिक काफी इंतजार करते हुए वहां टहलने लगे, तब वहां घूमते हुए भिवानी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व प्रत्याशी व माक्र्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कामरेड ओमप्रकाश उन्हें मिले। जिसके बाद कामरेड ओमप्रकाश ने कार्यकारी अभियंता को फोन किया, तब वे वार्ड के प्रतिनिधिमंडल से मिले। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच काफी तनावपूर्ण कहा सुनी हुई। कामरेड ओमप्रकाश ने हस्तक्षेप करके माहौल को शांत करते हुए अभियन्ता सूर्यकांत से अनुरोध किया कि ये लोग तंग होकर अपनी वाजिब मांग को लेकर अपनी पानी की समस्या के समाधान को लेकर उनके पास आए हैं। तब कार्यकारी अभियंता ने दिन में लाईन को दुरस्त करवाकर पानी आपूर्ति करने का आश्वासन दिया। गौरतलब है कि नहर आने के बाद भी शहर की पानी आपूर्ति बहाल नहीं हो रही है। अलग-अलग कॉलोनियों व मोहल्लों के लोग फोन पर अधिकारियों से शिकायत कर रहे हैं तथा फोन नहीं उठाने पर विभाग के चक्कर लगा रहे है, परन्तु जनता की समस्या सुनने वाला कोई नहीं है। विभाग ने टैंकरों की भी कोई व्यवस्था नहीं कर रखी है।

पाइप लीकेज के कारण बर्बाद हो रहा अनमोल जल

भिवानी। एक ओर जहां पूरा शहर भीषण गर्मी और पेयजल संकट से जूझ रहा है, वहीं दूसरी तरफ भिवानी जनस्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और पाइप लीकेज के कारण भिवानी के मुख्य जलघर में हजारों लीटर पानी बढ़ती जा रही है। जिसके कारण पानी की बूंद-बूंद को तरसे नागरिकों की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं, पर जिम्मेदार अधिकारी अब भी मौन हैं। जिसके चलते स्थानीय लोगों में रोष है। वेटरन संगठन भिवानी के प्रधान एवं कांग्रेस पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष सूबेदार मेजर बिरेंद्र सिंह ग्रेवाल बामला ने बताया कि इन दिनों शहर भर में पेयजल को लेकर त्राहि-त्राहि मची हुई है तथा स्थानीय नागरिकों को उम्मीद थी कि नहर में पानी आने के बाद उनकी पेयजल सप्लाई सुचारू हो जाएगी। लेकिन नहर में पानी आने के बाद जनस्वास्थ्य विभाग की बड़ी लापरवाही सामने आई। जब जलघर में पाइप लीकेज के कारण हजारों पानी बर्बाद बहता रहा। लेकिन इसके बाजवूद भी प्रशासन व विभसाग गहरी नींद में सोया हुआ है।

हर मोर्चे पर नाकाम रही भाजपा : ढाणीमाहु

भिवानी। भारतीय जनता पार्टी सत्ता में रहकर भी हर मुद्दे पर नाकाम रही है। इसीलिए देश की जनता का ध्यान भटकाकर अपनी कारगुजारियों पर पर्दा डाल रही है। यह बात इंडियन नेशनल लोकदल के जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु ने शनिवार को स्थानीय हांसी गेट स्थित एक निजी रेस्तरां में पत्रकार वार्ता के दौरान कही। पत्रकार वार्ता से पूर्व इनेलो के जिला अध्यक्ष अशोक ढ़ाणीमाहु सहित जिला कार्यकारिणी के सदस्यों ने एक बैठक में पार्टी की नीतियों पर चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि इंडियन नेशनल लोकदल ने प्रदेश स्तर पर जिला कार्यकारिणी का गठन कर दिया है, ताकि संगठन को मजबूत बनाकर पार्टी को आगे ले जाया जा सकें। उन्होंने कहा कि पार्टी के संगठन को मजबूत बनाकर आगे बढ़ाने की रणनीति तय की है।

स्काउट एंड गाइड के बेसिक एवं एडवांस कोर्स में प्राध्यापकों की भागीदारी

भिवानी। हरियाणा राज्य भारत स्काउट एंड गाइड की ओर से शिमला में आयोजित सात दिवसीय बेसिक एवं एडवांस स्काउटिंग प्रशिक्षण कोर्स में डीईओ सुभाष चंद्र भारद्वाज एवं जिला संगठन आयुक्त (स्काउट) स्टेट अवॉर्डी प्राचार्य पवन शर्मा के दिशा-निर्देशन में बेसिक एवं एडवांस कोर्स के लिए भिवानी से सात प्राध्यापकों ने तारा देवी शिमला कैंप में भिवानी जिला की तरफ से भागीदारी की। शिविर 15 से 21 मई तारा देवी शिमला हिल में आयोजित करवाया गया था।

प्रधान व उपप्रधान सहित 20 सदस्यों की समिति सत्र 2025-27 के लिए गठित की

बवानीखेड़ा। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बवानी खेड़ा में प्राचार्या संतोष भाकर की अध्यक्षता में सांझी सभा का आयोजन व विद्यालय प्रबंधन समिति का पुनर्गठन किया गया। जिसका कार्यकाल 2 वर्ष का रहेगा। इस सभा में लगभग 95 अभिभावक उपस्थित । जिसमें सुभाष वर्तमान पार्षद को प्रधान व लीला काजल को उपप्रधान के रूप में चुना गया। अभिभावक सुमन व कृष्ण ने सांझी सभा में संबोधित करते हुए विद्यालय के कक्षा दसवीं के शत प्रतिशत परिणाम की प्रशंसा की व हर प्रकार के सहयोग का आश्वासन दिया। प्रधान व उपप्रधान सहित 20 सदस्यों की समिति सत्र 2025-27 का गठन किया गया व शपथ दिलाई। नव निर्वाचित प्रबंधन समिति के सभी सदस्यों ने विद्यालय प्रगति में सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर विद्यालय उपप्राचार्य सत्यवान यादव, सुनील शर्मा, नवीन कुमार, हुनेश अग्रवाल, कृष्ण रोहिल्ला, रवींद्र सिंह, सुदेश, राजबाला, दीपाली प्रकाश, सोनू रानी, गीता, गोल्डी, गीता रानी इत्यादि उपस्थित रहे।

आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में स्काउट गाइड प्रवेशिका प्रशिक्षण शिविर सम्पन

बवानीखेड़ा। आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस, मिलकपुर में आयोजित तीन दिवसीय हिंदुस्तान स्काउट गाइड प्रवेशिका प्रशिक्षण शिविर शुक्रवार को संपन्न हो गया। शिविर के ट्रेनिंग इंचार्ज रोहित जांगड़ा ने बच्चों को स्काउट-गाइड का इतिहास, ध्वज गीत, प्राथमिक चिकित्सा, विभिन्न प्रकार की तालियाँ, देश एवं समाज सेवा की भावना, तथा अनुशासन जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी और अभ्यास भी करवाया। उन्होंने बताया कि हिंदुस्तान स्काउट गाइड का मूल उद्देश्य नर सेवा नारायण सेवा है। प्राचार्य नीतीश मिश्र ने कहा कि यह शिविर बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ है। प्राचार्य ने रोहित जांगड़ा का शिविर को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए आभार प्रकट किया। शिविर में सभी शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ और स्टाफ सदस्य सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

बवानीखेड़ा। विद्यालय पहुंचने पर विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए।

राजकीय उच्च विद्यालय बोहल के बच्चों को मिला राज्यपाल पुरस्कार, स्कूल पहुंचने पर स्वागत

बवानीखेड़ा। भारत स्काउट एंड गाइड्स के क्षेत्रीय ट्रेनिंग सेंटर अंबाला में आयोजित राज्यपाल पुरस्कार प्रतियोगिता में बोहल स्कूल के छात्रों ने राज्यपाल पुरस्कार प्राप्त किया। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज, भारत स्काउट एंड गाइड भिवानी आयुक्त पवन शर्मा व बवानी खेड़ा खंड शिक्षा अधिकारी आनंद शर्मा जी के मार्गदर्शन में यह बच्चे 17-22 मई को अंबाला ट्रेनिंग सेंटर में गए थे। विद्यालय पहुंचने पर मुख्य अध्यापक संदीप शर्मा के साथ स्कूल प्रबंधन कमेटी के सभी कार्यकर्ताओं व विद्यालय स्टाफ ने बच्चों का मेडल पहनकर उनका सम्मान सम्मान किया। स्कूल प्रबंधन समिति ने विद्यालय टीम को काफी सराहा। इस से पहले संदीप शर्मा राजकीय उच्च विद्यालय बोहल के छात्रों के साथ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जम्बूरी में तमिलनाडु गये थे। विद्यालय स्टाफ ने भी अध्यापक संदीप शर्मा के कार्य की जमकर सराहना की और बताया कि शिक्षकों में ऐसा जोश हो तो सामने वाले में अपने आप जोश आ जाता है। बच्चों को ऐसे शिक्षकों से काफी सीखने को मिलता है।

तीन दिवसीय योग प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

बवानीखेड़ा। मिलकपुर स्थित आनंद स्कूल फॉर एक्सीलेंस में तीन दिवसीय योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ हुआ। यह शिविर योग आयोग, आयुष विभाग द्वारा आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य स्कूली छात्रों को योग के प्रति जागरूक करना और उन्हें स्वस्थ जीवनशैली के प्रति प्रेरित करना था। शिविर का उद्घाटन निदेशक साहिल यादव की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ। उन्होंने योग को जीवन का अभिन्न अंग बताते हुए छात्रों को नियमित योगाभ्यास की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने योग के वैज्ञानिक एवं मानसिक लाभों पर भी प्रकाश डाला। आयुष विभाग से सहायक गजानन शास्त्री एवं अशोक कुमार ने शिविर में मुख्य भूमिका निभाई। उन्होंने बच्चों को विभिन्न प्रकार के योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान तकनीकों की जानकारी दी और उनका अभ्यास भी करवाया। स्कूल प्राचार्य नीतीश मिश्र ने योग के महत्व पर बोलते हुए कहा कि आज के दौर में योग न केवल स्वास्थ्य बल्कि मानसिक संतुलन के लिए भी अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण शिविर बच्चों को अनुशासित और जागरूक बनाते हैं। शिविर के पहले दिन बच्चों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में प्राइमरी हैड प्रोमिला यादव एवम विद्यालय के सभी शिक्षकगण, छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। आयोजन ने विद्यालय परिसर में स्वास्थ्य और ऊर्जा का संचार भर दिया।

आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में फन डे मनाया

चरखी दादरी। कस्बा बौंद कलां स्थित आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार के दिन फन-डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक प्रताप सिंह यादव के प्रेरणादायक भाषण से हुई। जिसमें उन्होंने बच्चों के साथ समय बिताने और डिजिटल दुनिया से दूरी बनाने की सलाह दी। कक्षा नर्सरी से पांचवीं तक के सभी विद्यार्थियों ने फन-डे के अवसर पर अपने आप को विभिन्न गतिविधियों में व्यस्त रखा एवं आनंद लिया, जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कक्षा नर्सरी में 'संस्कार एक्टिविटी विद कलर, कक्षा एलकेजी-यूकेजी में फ्रूट्स एक्टिविटी, कक्षा पहली में नम्बर एक्टिविटी', कक्षा दूसरी में कॉर्डिनेट विद फ्रेंड्स, कक्षा तीसरी में ऑपोजिट वर्ड एक्टिविटी, कक्षा चौथी में चैन रिले गेम एक्टिविटी और कक्षा पांचवीं में 'आर्टिकल्स गेम एक्टिविटी' का आयोजन किया गया। विद्यालय प्राचार्य कृष्णदत्त यादव ने बताया कि शिक्षा के साथ-साथ विद्यालय में कई तरह की गतिविधियां आयोजित की जाती है, जिसमें छात्र-छात्रा बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

बच्चों ने पानी के साथ खूब अठखेलियां कीं

बीआर स्कूल में नन्हे-मुन्नों के लिए पूल पार्टी आयोजित की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चरखी दादरी

बिरही कलां स्थित बीआर आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में शनिवार को नर्सरी से दूसरी कक्षा तक के बच्चों के लिए पूल पार्टी का आयोजन किया गया। जिसने गर्मी के इस मौसम में बच्चों को खूब ठंडक और मस्ती प्रदान की। स्कूल प्रांगण में बने विशेष स्विमिंग पूल में बच्चों ने पानी के साथ खूब अठखेलियां कीं और जमकर मौज-मस्ती की। बच्चों ने रंग-बिरंगे स्विमसूट पहनकर पानी में डुबकी लगाई और एक-दूसरे पर पानी उछालकर खूब हंसे। केवल पानी में नहाना ही नहीं, बल्कि इस पार्टी में मनोरंजन के कई और रंग भी शामिल थे। बच्चों को थिरकने और अपनी ऊर्जा बाहर निकालने का मौका देने के लिए डांसिंग का भी खास इंतजाम था। डीजे पर बजते गानों पर बच्चों ने अपने नन्हे कदमों से खूब डांस किया, जिससे पूरा माहौल और भी जीवंत हो उठा। चेयरमैन कृष्ण भारद्वाज ने बताया कि नन्हें बच्चे पूल पार्टी में उत्साहित और आनंदित थे। इस तरह के आयोजन बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। यह उन्हें स्कूल में एक खुशनुमा और यादगार अनुभव प्रदान करता है, जो उनकी सीखने की प्रक्रिया को भी और बेहतर बनाता है। हम भविष्य में भी ऐसे आयोजन करते रहेंगे।

पूल पार्टी में मस्ती करते विद्यालय के विद्यार्थी।

बच्चों ने सत्तापक्ष, विपक्ष, अध्यक्ष एवं अन्य दलों की महत्तवपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई

भिवानी। सेक्टर 14 स्थित भिवानी पब्लिक स्कूल में विभिन्न कक्षाओं के 42 विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति के लिए एकजुट होकर देश की सुरक्षा के लिए कैबिनेट व सर्वदलीय बैठक के मॉडल का आयोजन किया, जिसमे विद्यार्थियों ने विभिन्न राजनीतिक दलों जैसे भारत की प्रमुख खुफिया एजेंसी, नेवी, आर्मी प्रमुख की भूमिका निभाते हुए विद्यार्थी संसद बैठक का आयोजन किया। बच्चों ने सत्तापक्ष, विपक्ष, अध्यक्ष एवं अन्य दलों की महत्तवपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई। सर्वप्रथम बैठक का शुभारंभ विद्यालय निदेशिका आशा पाहुजा की अध्यक्षता में विशिष्ट अतिथियों ने मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलन करके किया। बैठक को दो भागों में विभाजित किया गया। कैबिनेट बैठक में छात्रों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की और अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने अपने देश भारत से आतंकवाद को समाप्त करने, देश की सुरक्षा को लेकर चर्चा की और सुझाव दिए कि कैसे देश को और अधिक सुरक्षित बनाया जा सकता है। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारतीय सेना के साहस और बलिदान को परिभाषित करना बैठक का उद्देश्य रहा।

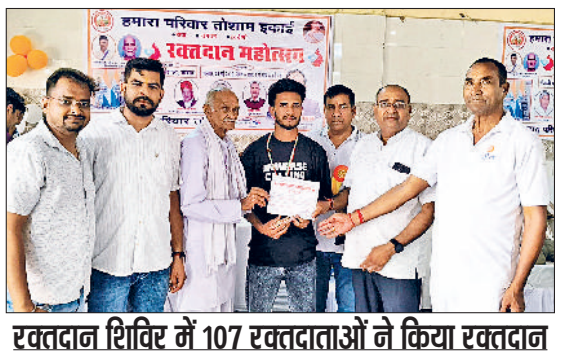

रक्तदान शिविर में 107 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

तोशाम। पंजाबी धर्मशाला में शनिवार को हमारा परिवार की तोशाम इकाई द्वारा भारतीय सेना को समर्पित विशाल रक्तदान महोत्सव आयोजित किया गया। जिसमें 107 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। इस दौरान भाजपा संयोजक एडवोकेट हरि सिंह सांगवान, मास्टर आत्माराम, प्रसिद्ध समाजसेवी श्यामलाल तलेजा, भाजपा नेता एवं प्रसिद्ध समाजसेवी सुरेश लाठर, सुरेंद्र कुमार ने बतौर अतिथि शिरकत की। वहीं प्रांत प्रमुख डॉ. महेंद्र परमार, संघ प्रमुख डॉ. मनोज, तोशाम इकाई प्रमुख अनुज तथा सह इकाई प्रमुख सुमन रानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस दौरान आए हुए अतिथियों ने हमारा परिवार की तोशाम इकाई की सराहना करते हुए भारतीय सेना को समर्पित रक्तदान शिविर आयोजित करने की सोच को काबिले तारीफ बताया। उनका कहना था कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है क्योंकि इसके माध्यम से दान किया गया रक्त किसी मरीज की जिंदगी बचाने में सहायक होता है। इस मौके पर अतिथियों ने रक्तदाताओं को भेज लगाकर तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

डीएवी. पुलिस पब्लिक स्कूल भिवानी में अलंकरण समारोह का आयोजन

भिवानी। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल भिवानी में अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधान छात्र के रूप में प्रवीण और प्रधान छात्रा के रूप में आयुकी का लोकतांत्रिक प्रणाली से चयन करके समारोह में बैज पहनाया गया। छात्र संघ समन्वयक के पद पर साहिल सांगवान अभिषिक्त हुए। स्वामी विवेकानंद सदन से सुमन को कप्तान और उप कप्तान के रूप में तनु को चुना गया। स्वामी श्रद्धानंद सदन से कप्तान के रूप में दीपाली और उप कप्तान के रूप में भविष्य का चयन किया गया। महात्मा हंसराज सदन से कप्तान के लिए दीक्षा और उप कप्तान के लिए भारती का चयन हुआ। स्वामी दयानंद सदन से कप्तान के रूप में रेमन और उप कप्तान के पद पर लिजा को अभिषिक्त किया गया।

क्रांतिकारी करतार सिंह सराभा को नमन करते भाजपाई।

करतार सिंह को उनके शौर्य, साहस, त्याग एवं बलिदान के लिए देश हमेशा याद रखेगा : रीतिक

भिवानी। क्रांतिकारी करतार सिंह सराभा भारत के प्रसिद्ध क्रान्तिकारियों में से एक थे, ऐसे क्रान्तिकारी जिसने मात्र 19 साल की उम्र में फांसी के फंदे को चूम लिया। ऐसा क्रांतिकारी जिसे शहीद-ए-आजम भगत सिंह अपना गुरु मानते थे और जिसकी तस्वीर हमेशा अपने पास रखते थे। 24 मई 1896 को लुधियाना के सराभा गांव में जन्मे करतार सिंह सराभा उन हजारों क्रांतिकारियों में से एक हैं, जो भारत के आजादी के लिए हंसते-हंसते फांसी के फंदे पर झूल गए। इतिहास के पन्नो में सराभा ऐसे क्रांतिकारी हैं, जिन्होंने क्रांतिकारी आंदोलन को नया मोड़ दिया। उक्त शब्द भाजपा नेता रीतिक वधवा ने व्यक्त किए। उन्होंने क्रांतिकारी करतार सिंह सराभा को उनकी जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने कहा कि करतार सिंह सराभा को अपने शौर्य, साहस, त्याग एवं बलिदान के लिए देश हमेशा याद रखेगा। इस मौके पर धर्मेंद्र अरोड़ा, सुनील चौहान, विजय अरोड़ा, पंकज शर्मा, संदीप व विनोद ने सराभा को श्रद्धासुमन अर्पित कर नमन किया।

कार्यक्रम स्काउट्स एवं गाइड्स ने आपातकालीन मॉकड्रिल का किया आयोजन

विद्यार्थियों को दी महत्वपूर्ण जानकारियां

- आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ जीवन रक्षक कौशल भी बढ़ाती मॉक ड्रिल : श्रीभगवान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

भिवानी। बेसिक एवं एडवांस स्काउटिंग प्रशिक्षण कोर्स में भाग लेते स्काऊट्स एवं गाइड्स।

जाट धर्मशाला के नजदीक स्थित चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप के प्रशिक्षण केंद्र एवं कार्यालय में शनिवार को राज्य भारत स्काउट गाइड की शाखा चंद्रशेखर आजाद ओपन ग्रुप ने आपातकालीन मॉक ड्रिल का आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यतिथि जिला आयुक्त स्काउट्स श्रीभगवान तथा अध्यक्षता ग्रुप लीडर सागर ने की। कार्यक्रम के दौरान 138 रोवर रेंजर शामिल रहे। इस मौके पर रोवर्स रेंजर्स द्वारा रेस्क्यू, फस्ट एड, आग बुझाने के तरीके, सीपीआर एवं ब्लू पलमोनरी चेक करने की जानकारी दी, जिसमें रेस्क्यू टीम को सीनियर रोवर नितेश कुमार ने फायर टीम को सीनियर रोवर हिमांशु भाटी एवं स्काउट मास्टर मनोज तथा फर्स्ट एड टीम को रेंजर तमन्ना व खुशी ने लीड किया। इस दौरान सह ग्रुप लीडर अमित ने पूरी मॉक ड्रिल को विस्तारपूर्वक जिला आयुक्त को समझाया। इस मौके पर श्रीमहावीर जैन स्कूल की प्राचार्या गाइड एवं रेंजर कैप्टन पुष्पा देवी ने सीपीआई के बारे में रोवर्स रेंजर्स को बताया। ग्रुप लीडर सागर ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे हुई, जिसमें फायर अलार्म बजते ही सभी ने निर्धारित मार्गों से सुरक्षित निकासी का अभ्यास किया। स्काउट्स एवं गाइड्स ने बचाव दल की भूमिका निभाते हुए घायलों की सहायता, प्राथमिक चिकित्सा और भीड़ नियंत्रण का प्रदर्शन किया। ड्रिल के दौरान विद्यार्थियों ने आग से बचाव, भूकंप की स्थिति में सुरक्षित स्थान ढूंढना और घायल व्यक्ति की प्राथमिक चिकित्सा जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं का अभ्यास किया। जिला आयुक्त स्काउट्स श्रीभगवान ने कहा कि मॉक ड्रिल्स विद्यार्थियों में न सिर्फ आत्मविश्वास बढ़ाती हैं, बल्कि उन्हें जीवन रक्षक कौशल भी प्रदान करती हैं।

सूचना

मै जगबीर पुत्र श्री बलवंत सिंह निवासी गांव बागला तहसील व जिला भिवानी अपने हल्फ से ब्यान करता हूं कि मेरे पुत्र देवेन का जन्म 27–12–2006 को सांगवान अस्पताल भिवानी में हुआ था। मेरे पुत्र देवेन का जन्म प्रमाण पत्र बन चुका है। जिसका पंजीकरण नम्बर 100 दिनाकं 3–1–2007 दर्ज है।
अब मै मेरे पुत्र के जन्मप्रमाण पत्र व अन्य सभी दस्तावेजों में मेरे पुत्र का नाम देवेन से देवेन ग्रेवाल करवाना चाहता हूं। भविष्य में मेरे पुत्र को देवेन ग्रेवाल से जाना जाए।

शिक्षा संस्कार चरित्र निर्माण
कोचिंग के क्षेत्र का बड़ा नाम.....
आर्यन कोचिंग सैन्टर
'विश्वास का दूसरा नाम'
नये बैच शुरू 12th के बाद नौकरी-कॉमन बैच
C.E.T. रेलवे
CUET अग्निवीर
S.S.C. Delhi Police
अनुभवी अध्यापक नोटस पैकेज शानदार रिजल्ट
पता : पारस वाली गली, नजदीक बस स्टैण्ड, च. दादरी
9050035973, 9812611926

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती मनाई

धर्म, न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक थी अहिल्याबाईः सांसद

राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेताः जांगड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में शनिवार को भिवानी के पंचायत भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा व विशिष्ट अतिथि के तौर पर विधायक घनश्याम सर्राफ व विधायक कपूर वाल्मीकि ने शिरकत की तथा अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक ने की। कार्यक्रम में मंच पर नंदराम धानिया, ठाकुर विक्रम सिंह व मनोज ढ़ाणा मौजूद रहे।

इस मौके पर अतिथियों ने उपस्थित जनसमूह को अहिल्याबाई होल्कर के जीवन और उनके आदर्शों से रूबरू कराया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने अपने समय में महिला नेतृत्व, न्यायप्रिय शासन और सामाजिक सेवा का जो उदाहरण प्रस्तुत किया, वह आज भी प्रासंगिक है। इस आयोजन में समाज के विभिन्न वर्गो के लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया तथा लोकमाता के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा ली। सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि अहिल्याबाई के समाज सेवा, धार्मिक कार्यो में योगदान और महिला अधिकारों के लिए किए गए कार्यों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर केवल एक शासिका नहीं थी, वे धर्म,न्याय, सेवा और स्त्री शक्ति का प्रतीक थी।

भिवानी। आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि व अन्य।

राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी अहिल्याबाई होल्कर के जीवन मूल्यों से प्रेरणा लेते हुए महिला सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठा रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, सुकन्या समृद्धि योजना और अन्य महिला कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बना रही है। पत्रकारों से बात करते हुए जांगड़ा ने कहा कि माननीय हाईकोर्ट द्वारा सामाजिक व आर्थिक मापदंडों के आधार पर की गई भर्तियों में अतिरिक्त अंक दिए जाने को असंवैधानिक माने जाने के बाद किसी भी कर्मचारी को हटाया नहीं जाएगा। वही राहुल गांधी के श्रीनगर दौरे पर पूछे गए सवाल के जवाब में राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने कहा कि राहुल गांधी को कोई भी गंभीरता से नहीं लेता। क्योंकि राहुल गांधी विदेशों में जाकर भारत की प्रतिष्ठा के खिलाफ बात करते है। अधिकारियों के प्रति ऐसा व्यवहार उन्हे नहीं करना चाहिए। विधायक सर्राफ विधायक कपूर वाल्मीकि ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने हमेशा इतिहास को दबाए रखा तथा देश के वीर सपूतों के नाम आगे नहीं आने दिए। लेकिन जब से भाजपा सत्ता में आई है, तभी से महापुरूषों की जयंती पर प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन हुआ है, जिससे युवा पीढ़ी महापुरूषों की गौरव गाथा के बारे में जान पाई है।

सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में आरपीएस के विद्यार्थियों ने प्रथम इंटरनेशनल रैंक प्राप्त की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में आरपीएस के चार विद्यार्थी जयश्री, हिमांशी, भव्या तथा पीहू ने 100 प्रतिशत स्कोर कर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परचम लहराकर गोल्ड मेडल प्राप्त किया हैं। विद्यालय के 45 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगी परीक्षा में सफलता पाई है।

सभी चयनित विद्यार्थियों को आरपीएस ग्रुप चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव, सीईओ इंजी. मनीष राव, डिप्टी सीईओ कुनाल राव, प्राचार्य डॉ. किशोर तिवारी ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। चेयरपर्सन डॉ.

महेंद्रगढ़। बच्चों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

पवित्रा राव ने कहा कि सिल्वर जोन इंटरनेशनल ओलंपियाड में विद्यालय के चार विद्यार्थी द्वारा शत-प्रतिशत अंक लेकर प्रथम रैंक प्राप्त करना विद्यालय के साथ-साथ जिले व प्रदेश के लिए भी एक बड़ी उपलब्धि है। आरपीएस के विद्यार्थी आज प्रदेश व देश का नाम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि संस्कार व गुणवत्ता युक्त शिक्षा ही आरपीएस की पहचान है।

युवकों ने पत्थर बरसा गाड़ी लूटने का किया प्रयास

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा की हांसी चुंगी पर रात करीब डेढ बजे के आसपास आधा दर्जन युवकों ने एक बड़े ट्रक पर पत्थर बरसा कर रुकवा लिया। चालक व परिचालक के साथ मारपीट की और जेब से पैसे निकालने लगे। इतनी देर में दूसरी गाड़ी आती देख कर आरोपी मौके से फरार हो गए। बाद में पीड़ित चालक व परिचालक ने थाने में शिकायत दी। पुलिस ने शिकायत दर्ज करके जांच आरंभ कर दी। पुलिस को दी शिकायत में गांव सुनारिया रोहतक निवासी सन्नी ने बताया कि वे अपनी 18 टायरी गाड़ी को लेकर रोहतक से वाया मुंढाल व पुर होते हुए बवानीखेड़ा पहुंचे। वे बवानीखेड़ा की हांसी चुंगी पर पहुंचे तो वहां पर दो युवक खड़े थे।

स्कूल के उपरी हिस्से में लगी आग, आधे घंटे में पाया काबू

भिवानी। हलवास गेट स्थित निजी स्कूल में अज्ञात कारणों की वजह से स्कूल के स्टोर में लगी आग। दूसरी बिल्डिंग बने स्टोर में रखे कपड़ों में आग लगी,। ये कपड़े सांस्कृतिक कार्यक्रम में प्रयोग होते थे। विद्यालय की आग लगने से दो घंटे पहले छुट्टी हो चुकी थी।। सूर्य की किरणें शीशे पर गिरने से हिट कपड़ों में गई है जिससे आग लगी। यही अग्निशमन के अधिकारियों ने बताया कि अचानक आग लगी है आग पीवी सीट व कपड़े होने के कारण एक 5 मिनट जरूर तेज हुई लेकिन हमने तुरंत स्कूल में लगी फायर सिस्टम से आग पर 80 प्रतिशत काबू पा लिया था। कहा कि विद्यालय की छुट्टी करीब 2 घंटे पहले हो चुकी थी, स्टाफ भी जा चुका था और जब जो ही उन्हें पता चला तो उनके सिक्योरिटी गार्ड और उनकी पूरी टीम या मौके पर पहुंच गई थी और विद्यालय के अंदर लगे अग्निशमन के उपकरणों के द्वारा आग को 80 फीसदी बुझा लिया गया था । उसी समय अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर गाड़ी पहुंची थी, जिसे पूर्ण रूप से आग को कंट्रोल कर लिया गया।

गोशाला मार्केट की साफ गली उखाड़कर बनाना भूला प्रशासन

- गली की खुदाई के बाद क्षेत्र की हालत हुई बदत्तर, व्यापार पर भी पड़ रहा असर : व्यापारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिवानी

गोशाला मार्केट रोड़ पर स्थित हनुमान मंदिर के नजदीक करीबन 15 दिन पहले खोदी गई गली को खोदकर संबंधित विभाग के अधिकारी पूरी तरह से भूल चुके है। जिसके चलते यहां के व्यापारियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इसी कड़ी में परेशान व्यापारियों ने गली को जल्द से जल्द बनवाए जाने की मांग को लेकर वरिष्ठ भाजपा नेता एवं जनकल्याण सहयोग संगठन के प्रदेश अध्यक्ष दीपक अग्रवाल तौला को मांगपत्र सौंपा। तौला को मांगपत्र सौंपते हुए व्यापारियों ने बताया कि गौशाला मार्केट रोड़ पर स्थित हनुमान मंदिर के नजदीक तक करीबन 15 दिन पहले बनी-बनाई गली खोदी गई थी, जो कि सही थी तथा उसके बनाने की कोई जरूरत नहीं थी, जबकि उसके साथ वाली गली टूटी पड़ी है, उसके बनाने पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा। यही नहीं गली खोदने के बाद अधिकारियों द्वारा यहां का संज्ञान ही नहीं लिया गया। उन्होंने कहा कि गली की खुदाई के बाद से ही क्षेत्र की हालत बदतर हो गई है। जगह-जगह गड्ढे और धूल से न केवल व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, बल्कि आमजन को भी भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

छोटे-छोटे सपने, पानी की बड़ी मस्ती विद्यालय में जल-उल्लास का आयोजन

- बच्चों की खिलखिलाहट और पानी की फुहारों ने स्कूल को बना दिया मिनी वाटरलैंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा के श्री लाल बहादुर शास्त्री वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में ग्रीष्मकालीन सीजन पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विद्यालय की दीवारें हँसी से गूंज उठीं, और प्रांगण में फैली पानी की फुहारों ने गर्मी को मात दे दी। प्राइमरी विंग की छुट्टियों से पहले स्कूल में आयोजित जल-उत्सव ने नन्हें विद्यार्थियों के चेहरों पर वो मुस्कान ला दी, जो किसी परी कथा में देखने को मिलती है।

कक्षा नर्सरी से कक्षा पहली तक के बच्चों ने रंग-बिरंगे स्विमसूट पहनकर जैसे ही पानी

के पूल में कदम रखा, मानो आसमान से इंद्रधनुष उतर आया हो । बच्चों ने बबल शोश, स्प्लैश डांस, और जल-झपाक दौड़ जैसे अनोखे खेलों में भाग लिया। "आज ब्लू है पानी" गीत पर सभी नटखट अपनी प्रतिभा दिखा रहे थे। हर एक गतिविधि में छोटे बच्चों का उत्साह देखते ही बनता था। सबसे खास रहा श्वाटर फैशन शो जिसमें बच्चों ने पानी के थीम पर आधारित टोपी, चश्मे और रंग-बिरंगे छाते पहनकर रैंप वॉक किया। तालियों की गड़गड़ाहट और बच्चों की मासूम अदाओं ने पूरे कार्यक्रम को यादगार बना दिया। प्रधानाचार्या श्रीमती सोनिका धींगडा ने मुस्कुराते हुए कहा, बच्चों को किताबों के अलावा अनुभवों की भी जरूरत होती है। यह आयोजन उन्हें न केवल खुशी देता है, बल्कि उन्हें सहयोग, आत्म-विश्वास और स्वतंत्रता भी सिखाता है। छोटे गुणित और खुशवंत ने खुशी से बताया, मुझे पानी में उछलना बहुत मजेदार लगा, मैं हर साल ये करना चाहूंगा वहीं नन्हीं पुर्वांशी, पूर्वी,दुर्विषा, माही ने अपने छोटे से बाल्टी सेट को दिखाते हुए कहा, मैंने अपनी गुड़िया को भी नहलाया। संस्था प्रभारी मुकेश भारद्वाज व संजय भारद्वाज ने बच्चों को खेलते हुए देख कर अपनी खुशी जाहिर करते हुए क यही उम्र होती है बच्चों को जी भर के मस्ती करने की।

जनसुनवाई के लिए मंढाना में 26 को होगा रात्रि ठहराव

- उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक रात्रि ठहराव कार्यक्रम में ग्रामीणों से करेंगे संवाद

भिवानी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार लोगों से संवाद स्थापित करने की कड़ी में 26 मई को गांव मंढाना में प्रशासन का रात्रि ठहराव कार्यक्रम होगा, जिसमें उपायुक्त महाबीर कौशिक और पुलिस अधीक्षक मनवीर सिंह नागरिकों की शिकायतें सुनेंगे। नगराधीश अनिल कुमार ने बताया कि उपायुक्त महाबीर कौशिक सोमवार शाम 26 मई को मंढाना में ग्रामीणों से रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान संवाद करेंगे। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर परिवार पहचान पत्र सहित विभिन्न दस्तावेजों में त्रुटियां ठीक की जाएगी। रात्रि ठहराव कार्यक्रम में परिवार पहचान पत्र, आधार कार्ड ,चिरायु कार्ड , हैप्पी कार्ड,कृषि विभाग की मेरी फसल मेरा बोरा पोर्टल, राशन कार्ड, मनरेगा, वृद्धावस्था पेंशन,प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना आदि में त्रुटियों को ठीक करने के लिए बिजली, पानी, सिंचाई, कृषि, पशुपालन, राजस्व, स्वास्थ्य, पुलिस, खेल, कल्याण, समाज कल्याण आदि विभागों द्वारा अलग-अलग हेल्प डेक्स लगाकर अपने-अपने विभाग से संबंधित सेवाएं दी जाएगी।

CS SS CITY SR. SEC. SCHOOL
SINCE- 1994

CITY SR. SEC. SCHOOL
Pur Road, Bawani Khera, Distt.-Bhiwani (Haryana)
(An English Medium Co-educational School affiliated to C.B.S.E. Delhi)
(Affiliation No. 530641 School Code 40613)

(A School with a proven track record of academic excellence)
Heartiest Congratulations to Parents, Staff and Students for fabulous result

CLASS XII BOARD EXAM (AISSCE) RESULT 2024-25
OUR GALAXY OF SCINTILLATING STARS

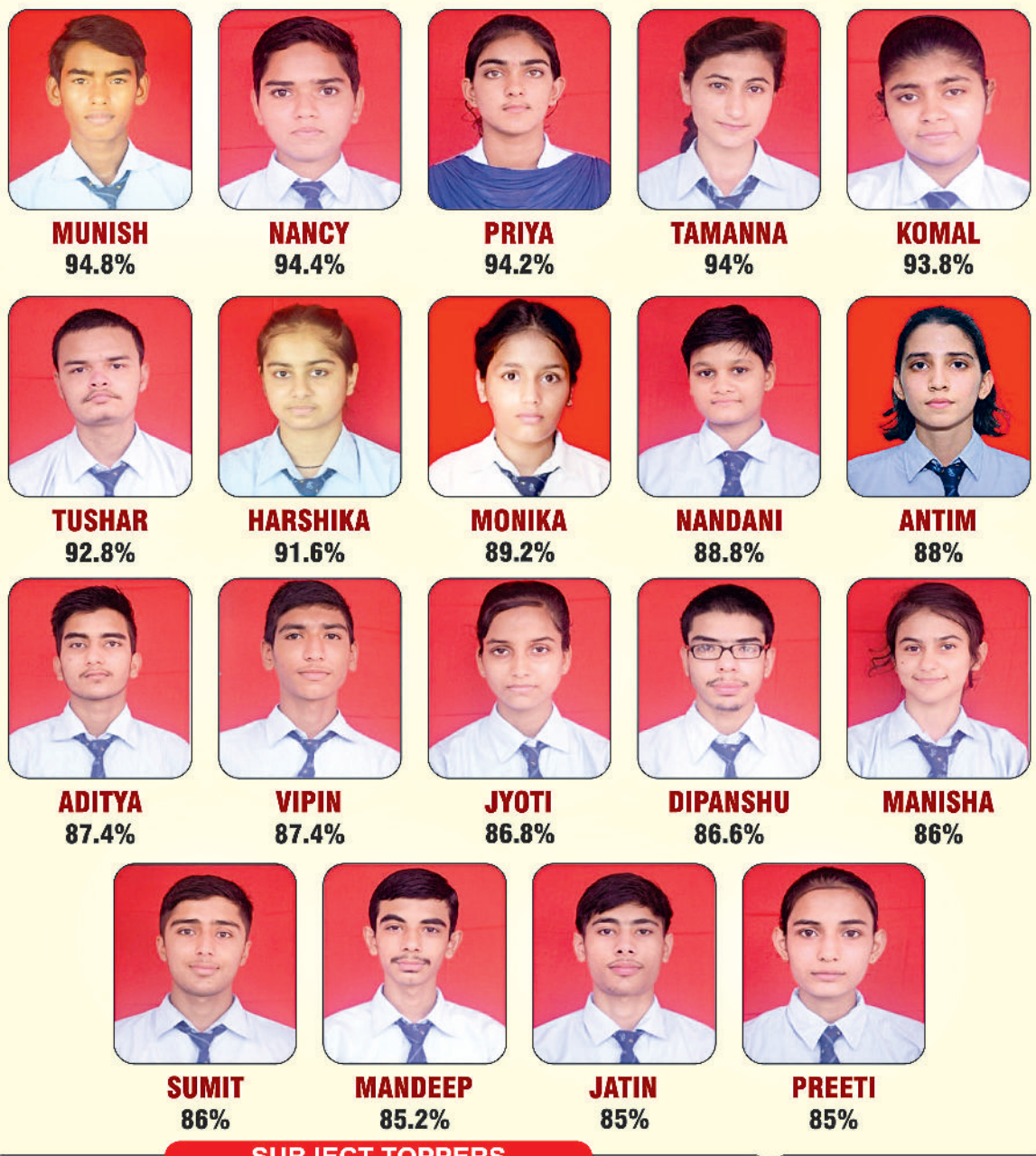

MUNISH 94.8% | NANCY 94.4% | PRIYA 94.2% | TAMANNA 94% | KOMAL 93.8%
TUSHAR 92.8% | HARSHIKA 91.6% | MONIKA 89.2% | NANDANI 88.8% | ANTIM 88%
ADITYA 87.4% | VIPIN 87.4% | JYOTI 86.8% | DIPANSHU 86.6% | MANISHA 86%
SUMIT 86% | MANDEEP 85.2% | JATIN 85% | PREETI 85%

SUBJECT TOPPERS

1.	Hindi	100 (Komal)	7.	English	96 (Komal)
2.	Political Science	99 (Tamanna)	8.	Accountancy	96 (Munish)
3.	Geography	99 (Nancy)	9.	Computer Science	96 (Dipanshu)
4.	Music	99 (Jyoti, Mannu, Tushar, Tamanna)	10.	Maths	95 (Tushar)
			11.	Physics	95 (Tushar)
5.	Business Studies	98 (Munish)	12.	Economics	95 (Harshika)
6.	Chemistry	97 (Dipanshu)	13.	Biology	93 (Priyanka, Monika)

OVER ALL RESULT SUMMARY

Total Students Appeared	125
90% & Above	07
75% & Above	57
60% & Above	111

CLASS X BOARD EXAM (AISSE) RESULT 2024-25
THOSE WHO BROUGHT US LAURELS

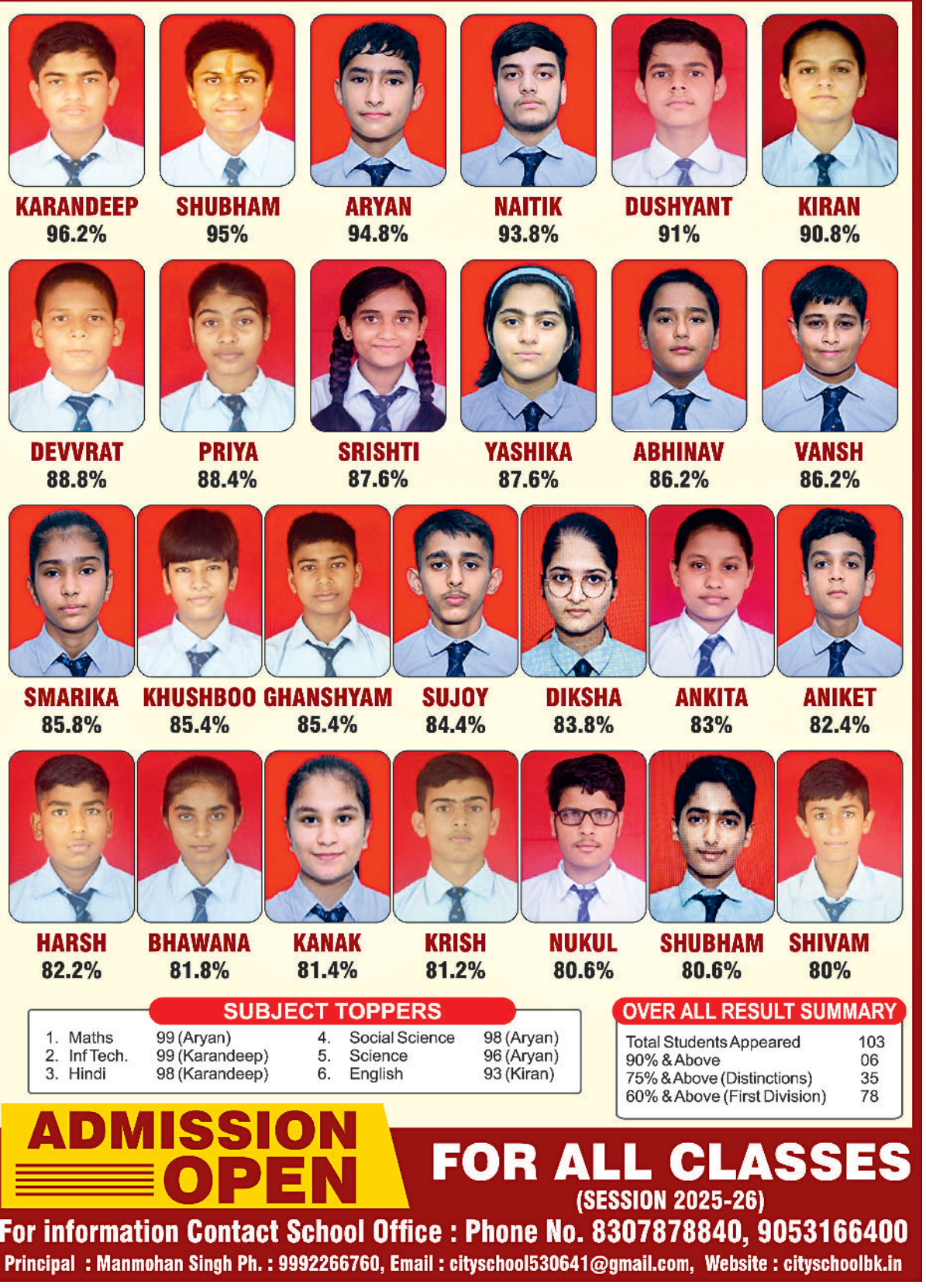

KARANDEEP 96.2% | SHUBHAM 95% | ARYAN 94.8% | NAITIK 93.8% | DUSHYANT 91% | KIRAN 90.8%
DEVVRAT 88.8% | PRIYA 88.4% | SRISHTI 87.6% | YASHIKA 87.6% | ABHINAV 86.2% | VANSH 86.2%
SMARIKA 85.8% | KHUSHBOO 85.4% | GHANSHYAM 85.4% | SUJOY 84.4% | DIKSHA 83.8% | ANKITA 83% | ANIKET 82.4%
HARSH 82.2% | BHAWANA 81.8% | KANAK 81.4% | KRISH 81.2% | NUKUL 80.6% | SHUBHAM 80.6% | SHIVAM 80%

SUBJECT TOPPERS

1.	Maths	99 (Aryan)	4.	Social Science	98 (Aryan)
2.	Inf Tech.	99 (Karandeep)	5.	Science	96 (Aryan)
3.	Hindi	98 (Karandeep)	6.	English	93 (Kiran)

OVER ALL RESULT SUMMARY

Total Students Appeared	103
90% & Above	06
75% & Above (Distinctions)	35
60% & Above (First Division)	78

ADMISSION OPEN FOR ALL CLASSES
(SESSION 2025-26)
For information Contact School Office : Phone No. 8307878840, 9053166400
Principal : Manmohan Singh Ph. : 9992266760, Email : cityschool530641@gmail.com, Website : cityschoolbk.in

R.E.D. GROUP OF SCHOOLS

CHHUCHHAKWAS | JHAJJAR | CHARKHI DADRI

(AFFILIATED WITH CBSE, NEW DELHI)

A School where Excellence in Academics Meets Values for Life

CBSE X Board Result - 2024-25

100% Result

95% & Above	31	90% & Above	97	85% & Above	144
80% & Above	189	75% & Above	232	70% & Above	265

Subject Highest Marks	Maths - 100	Science - 100	S.St. - 100	Com.Sci. - 100	Eng. - 98	Hindi - 98

DIYA GUPTA 99.2%

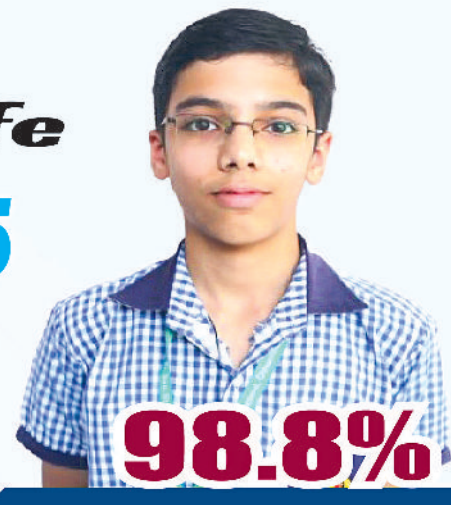

AKSHIT AHLAWAT 98.8%

DISHITA 98.2%, TEJASVI 98.0%, ANSHIKA 98.0%, TEJASVI 98.0%, SAKSHI 97.8%, DIPANSHI 97.8%, PREETI 97.4%, TANU CHAHAR 97.0%, TANNU 96.8%, DHYANA 96.6%, TANISHA 96.4%, AKSHIKA 96.4%, LAKSHITA 96.4%

NEERAV 96.4%, ANJIL 96.2%, NAITIK 96.2%, DHEERAJ 96.0%, AJAY 96.0%, GARIMA 96.0%, KRISH 95.8%, NAMI 95.8%, GARV 95.6%, PURVI 95.6%, SUKRITI 95.4%, LOKESH 95.2%, MUKUL 95.2%

JYOTIKA 95.2%, TAMNNA 95.0%, BHAVISHYA 95.0%, HONEY DESWAL 94.4%, LAKSHY 94.4%, RIYA 94.4%, VANSH 94.2%, PRANJAL 94.4%, RAHUL 94.0%, BHAVISHYA 94.0%, YAVAL 94.0%, HARSH 93.8%, NANCY 93.8%

GINIKA 93.6%, SNEHA 93.6%, ANKUR 93.6%, JAIVARDHAN 93.6%, ARPIT 93.4%, ANSHIKA 93.4%, PRACHI 93.4%, ANANYA 93.2%, BHAVI 93.2%, KARTIK 93.2%, JITENDER 93.2%, MAINK 93.2%, MANNAT 93.2%

PREET 93.0%, SAMEER 93.0%, DEEPIKA 93.0%, MAYANK 92.8%, DAKSH 92.8%, PRACHI 92.8%, SHIVAM 92.6%, DEEPALI 92.6%, JIYA 92.6%, MANISH 92.4%, JIYA 92.2%, SUHANI 92.2%, HIMANSHU 92.2%

VIDHI 92.0%, ABHISHEK 91.8%, MEET 91.8%, PRACHI 91.8%, ANSHIKA 91.6%, KARUNA 91.6%, UDIT 91.6%, VANSHIKA 91.4%, SUNITI 91.4%, SRISHTI 91.4%, ANSH 91.2%, MUSKAN 91.2%, ARUSH 91.2%

JAYESH 91.2%, SHRUTI 91.0%, ISHIKA 91.0%, PRIYANSHEE 90.8%, YASH 90.8%, NISHU 90.6%, DUSHYANT 90.4%, KASHISH 90.2%, MANSEE 90.2%, ANSHIKA 90.2%, ROHIT 90.0%, HARSH 89.8%, AVIJIT 89.8%, KUNJAN 89.8%

Our Shining Stars

CBSE XII Board Result - 2024-25

100% Result

KOMAL — Commerce Topper 97.0%

MUSKAN — Science Topper 94.0%

HEMAKSHI — Arts Topper 93.8%

90% & Above	13	85% & Above	42	80% & Above	65	75% & Above	94	70% & Above	124

Subject Highest Marks				
	Geo - 100	Maths - 99	Eco. - 99	Phy. Edu. - 99	CS - 98
	Eng. - 98	Pol. Sci. - 98	Account - 97	Chemistry - 95

Science

PRIYANSHI 91.1%, AYUSH 90.6%, SAHIL 89.6%, KOMAL 89.4%, RITIKA 89.4%, BHUMI 89.4%, ANANYA 89.4%, GUNJAN 89.0%, MUSKAN 89.0%, HARSH 89.0%, HARTIK 88.8%, ANJALI 88.4%

BHAVYA 88.2%, VINAYAK 88.0%, PULKIT 87.8%, NAMAN 87.8%, RIYA 87.0%, ANSHIKA 86.6%, RIDHIMA 86.2%, ARZU 86.0%, PRACHI 85.4%, PALAK 85.2%, RISHIKA 85.0%, MUSKAN 84.6%

Comm

VARSHA 96.8%, PRATEEK 92.6%, PALLAVI 88.4%, VIKAS 87.6%, DEVANSH 86.6%

Arts

KHUSHI 93.2%, MAHAK 92.6%, PRIYA 92.0%, DIKSHA 91.4%, SHIWANI 89.0%, SHAKSHI 88.8%, VANDANA 88.8%, ANUSHKA 88.6%, RIYA 88.0%, SOHANI 85.4%

For Online Registration visit : www.redschools.org Contact us : 9992114101 (Chhuchhakwas), 9992600417 (Jhajjar), 9992113926 (Dadri)

ADMISSION OPEN (For Classes : Nur. to 9th & 11th)

SPECIAL CLASSES FOR : IIT-JEE · NEET · NDA · NTSE · VVM

Hostel Facilities For Boys At Chhuchhakwas Branch

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
P-1
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

भविष्य की दुनिया बदल देगी

जेनेटिक इंजीनियरिंग

यह सही है कि आज के दौर में लगभग हर क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का प्रभाव बढ़ रहा है। लेकिन इसके अलावा एक और वैज्ञानिक तकनीक ऐसी है, जो भविष्य में दुनिया को बदलने की क्षमता रखती है, वो है-जेनेटिक इंजीनियरिंग। इसकी क्षमताओं, इससे उपजने वाली संभावनाओं और सामने आने वाले संकटों पर एक नजर।

कवर स्टोरी
संजय श्रीवास्तव

आजकल हर कहीं सबसे ज्यादा चर्चा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तकनीक की ही होती है। लेकिन इससे होने वाले फायदों के साथ ही इससे हो सकने वाले नुकसान के बारे में भी लोग कई तरह की आशंकाएं व्यक्त करते हैं। सिर्फ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर ही वैज्ञानिक चिंताएं नहीं हैं, जेनेटिक इंजीनियरिंग को लेकर भी कई विशेषज्ञ चिंतित हैं और इसे खतरनाक दोधारी तलवार मान रहे हैं। इनके मुताबिक इसके कुछ बहुत लाभकारी पहलू हैं, लेकिन कुछ गंभीर खतरे और नैतिक प्रश्न भी इससे जुड़े हैं, जो लगातार डरावने हो रहे हैं।

कई वैज्ञानिकों ने जताई चिंता

हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के जेनेटिकिस्ट और सिंथेटिक बायोलॉजी के अग्रणी जॉर्ज चर्च कहते हैं, 'माना कि जेनेटिक इंजीनियरिंग में भारी संभावनाएं हैं, लेकिन इसके बायोटेररिज्म जैसे दुरुपयोग से भी इनकार नहीं किया जा सकता।' चर्च तो यहां तक कहते हैं कि अगर यह तकनीक गलत हाथों में पड़ गई, तो यह महामारी और जैविक युद्ध का कारण बन सकती है। आनुवंशिकीय या जेनेटिक इंजीनियरिंग के निजी नियंत्रण में जाने से कई तरह के खतरे पैदा हो सकते हैं। महान भौतिकविद स्वर्गीय स्टीफन हाकिंग कहा करते थे कि अगर जेनेटिक इंजीनियरिंग का दुरुपयोग हुआ तो कुछ 'सुपरह्यूमन' लोग खुद को बाकी मानव जाति से श्रेष्ठ बना सकते हैं। उन्होंने कहा था कि जीन एडिटिंग के कारण भविष्य में कोई नस्ल 'जेनेटिकली मोडीफाइड एलीट' बन सकती है, जो बाकी पर हावी हो सकती है।

मिसयूज में जुटे हैं कई वैज्ञानिक

अगले एक दशक के भीतर ही इस प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग के असर का आकलन किया जा रहा है। यह अलग बात है कि वैज्ञानिक इसकी काट में लगे हुए हैं। गुणसूत्रों या जीन में हेर-फेर करके कैंसर और कुछ दूसरी लाइलाज बीमारियों से निजात पाने का रास्ता तलाशने की वर्तमान प्रकिया निकट भविष्य में संसार के कई देशों को और फिर समूचे संसार को अगले एक दशक के भीतर ही खतरनाक मोड़ पर लाकर खड़ा कर सकती है। हालिया शोध और विकास की पड़ताल से पता चलता है कि इस दिशा में हो रही सकारात्मक प्रगति के साथ-साथ कुछ नकारात्मकक ताकतें भी सक्रिय हैं, वे इस तकनीक का दुरुपयोग कर सकती हैं। अमेरिका और ब्रिटेन, जहां आनुवंशिकी और जीन संपादन या कहें जेनेटिक इंजीनियरिंग पर गहन काम हो रहा है, वहां के वैज्ञानिक अब खुलेआम यह कहने लगे हैं कि कुछ वैज्ञानिक निहित स्वार्थों के तहत तो कुछ स्वार्थी देशों के चंगुल में फंसकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक के साथ ऐसे प्रयोग में लगे हैं, जिसके नतीजे घातक हो सकते हैं। विज्ञान की नैतिकता और देश के कानून के दायरे से बाहर जाकर काम कर रहे ये वैज्ञानिक आने वाले एक दशक में मानवता के लिए बेहद भयावह समस्या खड़ी कर सकते हैं। अमेरिकन एसोसिएशन फॉर एडवांसमेंट ऑफ साइंस की यह चिंता वाजिब है कि यह न सिर्फ आनुवंशिकी और चिकित्सा के क्षेत्र के लिए बहुत नुकसानदेह है वरन, संपूर्ण मानवता को संकट में डालने वाला है। इसलिए जीन एडिटिंग से संबंधित कार्यों को सरकार के कठोर नियंत्रण में होना चाहिए।

पनप सकते हैं खतरनाक रोग

जेनेटिक अभियांत्रिकी फिलहाल एक खुला क्षेत्र है। इस पर सरकारी नियंत्रण बहुत कम है। इधर इस क्षेत्र के तीव्र विकास में निजी क्षेत्र का भी बहुत योगदान सामने आया है। ऐसे में कुछ कॉरपोरेट के खरीदे हुए वैज्ञानिकों ने तरह-तरह के पेटेंट करवाकर इसे अरबों डॉलर का व्यवसाय बना दिया है। कमजोर नियंत्रण और इस तरह के विकास और बाजार के प्रवेश ने इसे भविष्य के वैश्विक संकट बनने की सहूलियतें प्रदान कर दी हैं। इसलिए भविष्य में जीन इंजीनियरिंग खतरा बन सकती है। आशंका इस बात की है कि रोगों से लड़ने की जैव तकनीक ढूंढने वाले चिकित्सकों की शोध का सहारा ले ये वैज्ञानिक नए रोगों का इजाद कर दवा व्यापार का नया रास्ता निकालने का काम न शुरू कर दें। ऐसे में असाध्य रोगों के कम होने की बजाय नए और घातक रोग बढ़ सकते हैं, जिनका इलाज ढूंढ़ना पहले से भी जटिल और मुश्किल साबित हो सकता है। ब्यूबॉनिक प्लेग खतरनाक है पर आज उसका इलाज मौजूद है। अब अगर इस रोग के जीवाणुओं की जेनेटिक इंजीनियरिंग कर दी जाए तो यह जनसंहार का ऐसा हथियार बन जाएगा, जिसका काट तुरंत मिलना तो नामुमकिन ही होगा।

दुनिया को होना होगा सचेत

कॉरपोरेट और बाजार के हाथों में जाकर जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक व्यापक जनसंहार के हथियारों में बढ़ोतरी कर सकता है और जैविक आतंकवाद का नया खतरा खड़ा हो सकता है। कुछ देश इस तरह के वैज्ञानिकों की प्रयोगशाला बन सकते हैं और भविष्य में तमाम दूसरे देशों के साथ-साथ इसके शुरुआती शिकार भी। बहरहाल, इस प्रौद्योगिकी का समाज के नियंत्रण से बाहर होना भविष्य में भयानक परिणाम ला सकता है। ऐसे में पूरी दुनिया को इस दिशा में सचेत रहना होगा। *

असाध्य रोगों का इलाज होगा संभव

यह सही है कि जीन इंजीनियरिंग के क्षेत्र में बीते कुछ बरसों में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। इसके बहुत से फायदे भी हमें मिलने लगे हैं या मिलने वाले हैं। मसलन, इस नई तकनीक का सहारा लेकर आज वैज्ञानिक पहले से बहुत ज्यादा आसानी से, कम समय में और बेहद सटीक तरीके से गुणसूत्रों का कुशल संपादन कर सकते हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग के जरिए निकट भविष्य में ही सिस्टिक फाइब्रोसिस या कई तरह के कैंसर का इलाज बेहद सरल हो जाने वाला है। इस तकनीक में स्मृतिभ्रंश या अलजाइमर, एचआईवी और ब्लड कैंसर या बीटा थैलेसेमिया जैसे रोगों से निजात दिलाने की खूबी है। इससे ऐसे बैक्टीरिया बनाए जा रहे हैं, जो वातावरण से कार्बन डाईऑक्साइड सोखकर ग्लोबल वार्मिंग से मुक्ति दिलाएंगे, साथ ही ये बतौर ईंधन भी इस्तेमाल होंगे और इनसे रोगों को दूर करने वाले टीके भी बनाए जाएंगे। इस तकनीक से मानव शरीर के खराब अंगों को जानवरों के अंगों से बदला जा सकेगा और अंग प्रत्यारोपण के लिए सही अंगों का निर्माण निजी प्रयोगशालाओं में हो सकेगा। निजी कंपनियां करीब 40 फीसदी मानव अंगों को पेटेंट करा भी चुकी हैं। जिस तरह कॉरपोरेट इस क्षेत्र में निवेश को उतावला है, उसे देखते हुए शोधकर्ताओं को इस क्षेत्र में हर कदम पर खतरा सूंघकर आगे बढ़ना होगा ताकि उनके प्रायोगिक निष्कर्षों और प्रक्रियाओं का गलत लाभ ऐसे वैज्ञानिक न उठा सकें, जिनके संबंध स्वार्थी देशों या संगठनों से जुड़े हैं।

संभव होंगे डिजाइनर बेबी

जेनेटिक अभियांत्रिकी तकनीक के तहत गुणसूत्रों में हेर-फेर करके मनचाहे शिशु यानी डिजायनर बेबी की सुविधा आसानी से उपलब्ध होने के चलते भविष्य में बहुत से लोग अपने बच्चे को बेहतर और सुरक्षित बनाना चाहेंगे। लेकिन जेनेटिक इंजीनियरिंग से बच्चे की लंबाई, आंखों का रंग और बहुत से शारीरिक बदलाव के साथ उसे कई अनुवांशिक बीमारियों से मुक्त तो किया जा सकता है पर इस बात की भी पूरी गारंटी है कि वह बच्चा कुछ नई बीमारियों और संक्रमण के प्रति अपनी प्रतिरोधक क्षमता ही खो सकता है।

डेवलपमेंट
प्रमोद भार्गव

तकनीक के विकास ने ट्रेडिशनल वॉर के स्वरूप को पूरी तरह बदल दिया है। भविष्य के युद्धों में रोबोट और मानव रहित हथियार ज्यादा उपयोग में लाए जाएंगे। इसी के मद्देनजर डी.आर.डी.ओ. सेना के लिए फाइटर रोबोट्स बना रहा है।

सेना में शामिल होंगे ह्यूमनॉइड फाइटर रोबोट

भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के वैज्ञानिक एक ऐसे मानव सदृश्य अर्थात ह्यूमनॉइड रोबोट के विकास पर काम कर रहे हैं, जो सैन्य अभियानों में मानव सैनिकों के सहयोगी का काम करेंगे और स्वयं भी युद्ध में भागीदार रहेंगे। इन रोबोट का निर्माण दुर्गम क्षेत्रों में लड़ने के उद्देश्य से किया जा रहा है, जिससे मानव सैनिकों को जान का जोखिम कम हो।

तेजी से हो रहा कामः डीआरडीओ की प्रमुख प्रयोगशाला रिसर्च एंड डेवलपमेंट स्टेब्लिशमेंट (इंजीनियर्स) इस ह्यूमनॉइड रोबोट को विकसित करने में लगी है। चार साल से इस परियोजना पर काम चल रहा है। इस मानव रोबोट के ऊपरी और निचले शरीर के भाग पृथक-पृथक मानव रूपों में तैयार किए जा रहे हैं। इन पर किए परीक्षणों से ज्ञात हुआ कि यह प्रयोग सफलता की ओर बढ़ रहा है। पुणे में आयोजित नेशनल वर्कशॉप ऑन एडवांस लेग्ड रोबोटिक्स में इस रोबोट को प्रदर्शित भी किया गया। इस कार्य को आगे बढ़ाने में सेंटर फॉर सिस्टम एंड टेक्नोलॉजी और एडवांस रोबोटिक्स की मदद भी ली जा रही है। हाल में हुए ऑपरेशन सिंदूर के बाद इस अभियान में तेजी आ गई है।

सेना बना रही योजनाः भारत सरकार इस कोशिश में है कि तीनों सेनाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंसी से निर्मित रोबोटिक हथियारों की संख्या बढ़ाई जाए। इस नाते एक महत्वाकांक्षी रक्षा परियोजना की शुरुआत की गई है। इस परियोजना का उद्देश्य मानव रहित टैंक, जलपोत, हवाईयानों, स्वचालित राइफल और रोबो आर्मी बनाए जाने की तैयारी है। यह परियोजना जब क्रियान्वित हो जाएगी, तब भारत की थल, जल और वायु सेनाएं युद्ध लड़ने के लिए नई तकनीक से सक्षम हो जाएंगी। टाटा संस के प्रमुख एन चंद्रशेखर की अध्यक्षता वाला एक उच्च स्तरीय समूह इस परियोजना को अंतिम रूप दे रहा है।

दुश्मनों से लड़ना होगा आसानः सेना को बदलते परिवेश की जरूरतों के अनुसार ढालना जरूरी है, क्योंकि पाकिस्तान और चीन की सीमा पर दृश्य दुश्मनों से कहीं ज्यादा अदृश्य दुश्मनों की चुनौती पिछले तीन दशक से पेश आ रही है। इस कड़ी में अब भारतीय रोबो सेना जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों से लड़ने के लिए उतारने की तैयारी की जा रही है। ये रोबोट आतंकियों के गुप्त ठिकानों में दृश्य और अदृश्य शक्ति के रूप में उतर कर उनकी मौजूदगी की सटीक जानकारी तो देंगे ही, अलबत्ता उन्हें पलों में तबाह भी कर देंगे। ये रोबोट सेना की आतंकरोधी इकाई और सुरक्षा बलों के लिए सुरक्षा कवच सिद्ध होंगे। इनकी सीमा पर उपलब्धता के साथ ही सेना को पूरी तरह हाईटेक बना दिया जाएगा। दुश्मन की घुसपैठ और पाकिस्तानी सेना के हमलों को नाकाम करने में भी यह रोबोट सेना फलदायी सिद्ध होगी।

कई कार्यों में होंगे सक्षमः रक्षा मंत्रालय ने पहले चरण में 550 रोबोटिक्स सर्विलांस यूनिट खरीद रहा है। इनकी खेप मिलते ही इन्हें सेना के सुपुर्द कर दिया जाएगा। ये आर्मी-रोबो किसी भी आतंकरोधी अभियान के दौरान आतंकियों पर हमला करने में सहायक की भूमिका निभाएंगे। सुरक्षा बलों के लिए आतंकियों के विरुद्ध कार्यवाही में सबसे बड़ी चुनौती उनकी सही संख्या और उनके पास उपलब्ध हथियारों की पूरी जानकारी लेने की होती है। ये रोबोट अभियान के दौरान किसी भी मकान या अन्य गुप्त आतंकी ठिकाने में सरलता से घुसकर वहां की गतिविधियों की पूरी जानकारी लेजर किरणों से स्केन कर सेना के सक्षम कंप्यूटरों में उतार देंगे। सैनिक रोबोट की प्रत्येक इकाई में एक लॉन्चिंग, एक ट्रांसमिशन और उजाले-अंधेरे की तस्वीरें लेने वाले एचडी कैमरे लगे होंगे। इनकी विशेषता यह होगी कि ये किसी भी आतंकी ठिकाने से 200 मीटर की दूरी से भी स्पष्ट वीडियो-आडियो भेज सकते हैं, जबकि इनकी हरकत के संकेत इन्हें 15 किमी की दूरी पर बैठे ही मिल जाएंगे। ये रिमोट नियंत्रण रेखा पर निगरानी और फिर उसके आस-पास ऐसी किसी जगह पर छानबीन कर सकते हैं, जहां घुसपैठियों के छिपे होने की आशंका हो। रोबो सैनिक की सेवा देने की उम्र 25 साल रहेगी। ये इतने चपल होंगे कि जवाबी कार्यवाही के लिए ये तुरंत 360 डिग्री घूमकर दुश्मन पर अचूक निशाना साधने में सक्षम होंगे। ये लड़ाकू रोबोट पानी के नीचे 20 मीटर की गहराई तक भी काम करने में दक्ष होंगे। इनमें रडार, जीएसएम और जीपीएस सिस्टम लगे होंगे, जो 10-15 किमी तक के स्थल को ट्रेस कर सेना के नियंत्रण कक्ष को जानकारी भेज देंगे।

लिहाजा उम्मीद यह की जा रही है कि यह रोबो आर्मी नियंत्रण रेखा पर दुश्मन की हर चाल से निपटने में सेना की अग्रिम पंक्ति के रूप में बेहतर सुरक्षा का काम करेगी। सेना की प्रत्येक बटालियन में सात से आठ अधिकारियों और जवानों को इसका विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। *

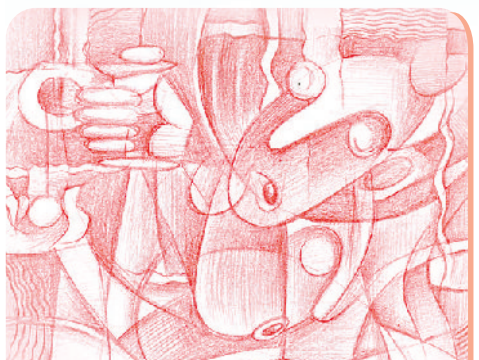

गजल
माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'

डर ही डर है

हर शै में डर ही डर है
मन में दुख का सागर है
कल घर में थीं दीवारें
अब दीवारों में घर है
हरियाली का नाम नहीं
जिसको देखो बंजर है
कोई देख न पाएगा
हर-सू ऐसा मंजर है
कौन किसे समझाएगा
सबके दिल में खंजर है
हाल किसी का क्या बोलें
हालत बद से बदतर है
दस्तावेजों में 'नवरंग'
आज कड़ाही में सर है

व्यंग्य
संदीप भटनागर

गधे और गुलाब जामुन

गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

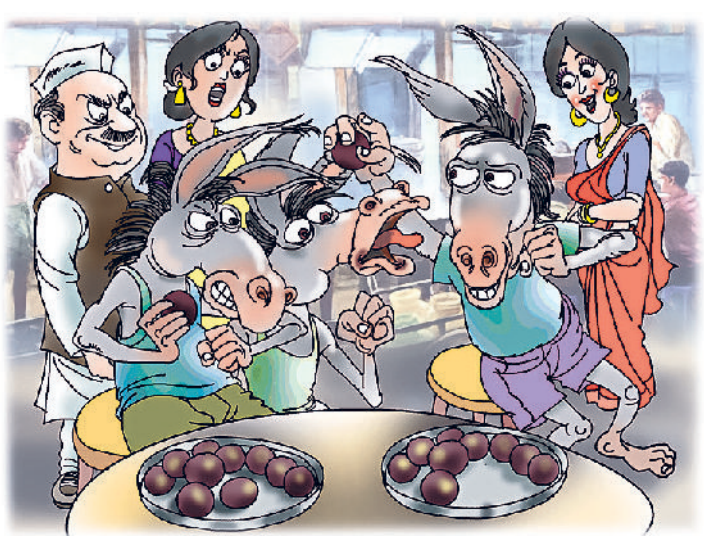

मिष्ठदंती होने के नाते मुझे मिठाइयों से विशेष प्रेम है। संतुलित भोजन और मीठे से परहेज करने के तमाम निर्देशों के बावजूद बारंबार इनके रस जाल के मोह में पड़ना सुमधुर और स्वादिष्ट लगता है। पसंद के मामले में सभी पारंपरिक मिठाइयों में गुलाब जामुन सदैव नंबर वन रहा है। अपनी अतिप्रिय मिठाई के बारे में कुछ रोचक समाचार पढ़ने को मिले। मध्य प्रदेश के एक शहर में गधों को गुलाब जामुन खिलाए गए। दूसरे शहर में जिला अधिकारी द्वारा ज्ञापन नहीं लिए जाने पर आंदोलनकर्ताओं का प्रेम गधों पर उमड़ा। गधों ने गुलाब जामुन की दावत उड़ाई।

दिमाग हैरान परेशान! इस घोर पापी दुनिया में जहां एक इंसान दूसरे इंसान को बेमतलब जहर तक नहीं खिलाता, वहां गधों को गुलाब जामुन कैसे खिलाए जा रहे हैं? कहीं गधों और गुलाब जामुन का मेरी तरह कोई रिश्ता तो नहीं है? या हमारे देश में कोई नया रिवाज चालू हुआ है, जिसका मुझे कोई इल्म न हो।

किताबों की शरण में जाने पर पता चला कि न तो गधे हमारे हैं और न ही गुलाब जामुन। एक कहानी के मुताबिक गुलाब जामुन को मध्य युग में ईरान में बनाया गया था, जो कालांतर में तुर्कियों द्वारा भारत लाया गया। गधों के बारे में यह खबर मिली कि करीब सात हजार साल पहले इंसान ने पूर्वी अफ्रीका में गधों को गधा बनाने यानी कि पालतू बनाने का प्रयास किया था और वह अपने इस उद्देश्य में सफल भी रहा। गधों को ऑफिशियली गधा बनने के बाद से लेकर आज तक उनकी पीठ पर लदा बोझा नहीं उतरा। उन्हें बोझ की ऐसी लत लगी कि पीठ खाली होते ही खुद बोझा ढूंढने लगे। तभी से वे बोझ महसूस करके ही खुश रहने लगे। पीठ हल्की होते ही उन्हें लगता है कि कहीं मालिक नाराज तो नहीं हो गया।

एक अनुमान के अनुसार दुनिया भर में चवालीस मिलियन गधे हैं। अनुमान इसलिए कि जब जनगणना की चिंता कोई नहीं पालता तो गधों की गिनती करने की फुर्सत किसे है! और भला गधे भी कोई गिनने की चीज हैं? चवालीस मिलियन गधों में से 99% गधे निम्न और मध्यम आय वाले देशों में पाए जाते हैं। इस हिसाब से हमारे हिस्से में भी बड़ी संख्या में गधे आए हैं। मेरा ऐसा मानना है कि उच्च आय वाले देशों के गधे, घोड़ों की वेशभूषा धारण करने योग्य हो गए। इसी कारण वहां गधों में गिरावट दर्ज हुई है, लेकिन हमारे देश में अभी भी गधों को उनके मूल स्वरूप में उपयोगी माना जाता है। यह बात अलग है कि आजकल इंसान भी गधों का लबादा ओढ़ने लगे हैं।

इंसान से बेहद करीबी रिश्ता रखने वाला यह जानवर निरा गधा नहीं है। इनकी याददाश्त बहुत अच्छी होती है। ये करीब पचीस साल पहले तक देखे गए इलाकों को याद रख सकते हैं। और अधिक संख्या में होने के बावजूद, दूसरे इलाके के गधों को पहचान सकते हैं। उनकी इसी खूबी के कारण वे बगैर भटके अपनी मंजिल तक पहुंच जाते हैं।

इन्हें अकेले रहना पसंद नहीं। समूह में रहते हुए ये आपस में मजबूत सामाजिक संबंध स्थापित करते हैं। एक-दूसरे की देख-भाल करना और संकट के समय सहायता करना इनकी आदत है। इतनी सारी खूबियों के बावजूद ये गधे हैं और सामाजिक प्राणी होने का तमगा अकेले मनुष्य ने ही अपने गले में पहन रखा है।

इनकी तमाम विशेषताओं के लिए और मनुष्य के विकास में इनके महत्व को रेखांकित करने के लिए आर्क रजीक नाम के एक रहम दिल साइंटिस्ट की कोशिशों से वर्ष 2018 से 'विश्व गधा दिवस' मनाना आरंभ किया गया, लेकिन हमारे देश के गधे अभी इस सम्मान की बाट ही जोह रहे हैं।

इतनी सारी बातें जानने के बाद इस मूक प्राणी के लिए मन में सम्मान का भाव जागा, साथ ही यह जिज्ञासा भी जागी कि गधों को गुलाब जामुन में रुचि क्यों कर होने लगी? ऐसा तो नहीं कि लोगों को चारा हजम करते देख उनकी इंसानों से बदला लेने की भावना प्रबल हो गई हो? यह भी हो सकता है कृत्रिम मेधा (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के बढ़ते प्रयोग से इंसानी अक्ल निठल्ली हो कर घास चरने लगी हो और आने वाले समय में घास का टोटा पड़ने वाला हो?

इन सारी संभावनाओं पर विचार करने के बाद मुझे पता चला कि इन बेचारों ने खुद गुलाब जामुन नहीं खाए बल्कि जुगाड़ू इंसान ने अपने स्वार्थ के खातिर इन्हें गुलाब जामुन खाना सिखला दिया। कभी अच्छी बारिश की कामना के खातिर टोटके के रूप में तो कभी इंसानी गधों की अक्ल ठिकाने लगाने। गधे भी बेचारे इस उम्मीद में गुलाब जामुन खाए जा रहे हैं कि ईश्वर इंसान पर भले ही रहम न करे पर उन पर रहम कर बारिश तो करवा ही देगा। और आज न सही कल ही सही, हरी नरम दूब खाने को तो मिल जाएगी। बहरहाल, बारिश को गधों के भरोसे छोड़ इंसान द्वारा पर्यावरण में पलीता लगाने का काम बदस्तूर जारी है। वहीं दूसरी ओर गधों का लबादा ओढ़े इंसानों का गुलाब जामुन खाना भी जारी है। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

सघन अनुभूति की कविताएं

हाल में सुपरिचित कवि शंकरानंद का चौथा कविता संग्रह 'जमीन अपनी जगह' प्रकाशित होकर आया है। भले ही इन कविताओं का आकार छोटा है लेकिन इनमें व्यक्त सघन अनुभूतियों का आयतन काफी विस्तारित है। ये अनुभूतियां केवल उनके निजी जीवन तक नहीं सिमटी हैं, वे अपने समय, समाज, देश और विश्व पर मंडराते संकटों पर भी नजर रखते हैं। *युद्ध से कुछ नहीं बचता/ ये और बात है कि इसका एहसास/ युद्ध खत्म होने के बाद होता है/ तब तक बहुत देर हो चुकी होती है* (युद्ध के बीच)। वे अपने आस-पास लगातार छीजती जा रही संवेदना से भी विचलित होते हैं, तभी 'नींद में आग' जैसी कविता रच पाते हैं। 'शोक के बीच' कविता में वह एक टीस के साथ इस सच को स्वीकारते हैं, *शोक के बीच पल रहा जीवन/ इस देश का दूसरा सच है/जो देखने नहीं दिया जाता अब/* कहने की जरूरत नहीं कि इन कविताओं के जरिए कवि की चिंताएं अलग-अलग रूपों में प्रकट हुई हैं। और उनकी चिंताएं हर संवेदनशील इंसान की चिंताएं हैं। *

पुस्तकः जमीन अपनी जगह (कविता संग्रह), **रचनाकारः** शंकरानंद, **मूल्यः** 295 रुपए, **प्रकाशकः** सेतु प्रकाशन, नोएडा

हरिभूमि
रविवार भारती
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक,रविवार 25 मई 2025

फेडोरा हैट, काऊबॉय हैट, उशांका हैट

गर्मी के मौसम में धूप से बचने के लिए लोग तरह-तरह के हैट्स या कैप्स पहनते हैं। इससे ट्रेंडी, फैशनेबल और कूल लुक मिलता है। अपने देश में ही नहीं दुनिया भर में तरह-तरह के हैट्स और कैप्स पहनने का ट्रेंड रहा है। हम आपको दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में पॉपुलर कुछ ट्रेंडी-फैशनेबल हैट्स-कैप्स के बारे में बता रहे हैं।

स्टाइलिश-ट्रेंडी हैट्स-कैप्स

{ फैशन / शिखर चंद जैन }

गर्मी के मौसम में धूप से बचाने के लिए सिर पर हैट या कैप पहनना अच्छा ऑप्शन है। लेकिन हैट या कैप सिर्फ सिर ढंकने के ही काम नहीं आता, यह आपकी पर्सनालिटी को डिफरेंट और इंप्रेसिव लुक भी देता है। तरह-तरह के हैट्स-कैप्स पर एक नजर।

बूनी हैट

बूनी हैट: यह सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। इसके चारों ओर लंबाई में छज्जेनुमा डिजाइन होती है, जो कान और गर्दन पर पड़ने वाली धूप से बचाती है। इस हैट का उपयोग कई देशों में मिलिट्री के जवान करते हैं।

बोटर हैट: इसकी संरचना सीधी बुनी हुई होती है। यह सीधा टॉप और सीधे छज्जे लिए होती है। आमतौर पर इसे नाविक पहनते हैं या फिर गर्मी में आउटडोर पार्टियों में भी पहना जाता है। इस पर तरह-तरह के रिबन बांधकर इसे और आकर्षक बनाया जा सकता है।

बर्कसिन

बर्कसिन: इसे सबसे लंबी हैट माना जाता है। यह कानों समेत पूरा सिर कवर किए रहता है। पहनने पर यह काफी ऊंचा दिखाई देता है। यह फर से बना होता है। इसमें ऊपरी हिस्से से भी फर लटके होते हैं। यह कैजुअल वियर के तौर पर नहीं पहना जाता है। इसे मैचिंग ड्रेस कोड के साथ ही पहना जाता है।

पनामा: इक्वेडोर में बना यह हैट घास और पौधों की पत्तियों से बना होता है। यह हैट बहुत ही सॉफ्ट और अट्रैक्टिव दिखता है।

बाउलर/डर्बी हैट: इस हैट का निर्माण 1850 में सेंट जेम्स ने किया था। जेम्स ने ही लीसेस्टर में थॉमस कुक के कर्मचारियों के लिए इस हैट का निर्माण किया था। बाद में यह डर्बी हैट के नाम से पॉपुलर हो गया।

गेटस्बी: इसे न्यूसबॉय हैट के नाम से भी जाना जाता है। इसमें सिर के ऊपर से आठ भाग निकलते हैं, जो जुड़कर एक टोपी का आकार लेते हैं। किनारे पर आकर यह गोलाकार हो जाते हैं। इसमें आगे की ओर छज्जा होता है।

हमबर्ग: यह चौड़े किनारों वाला हैट बहुत आकर्षक दिखता है। इसे जर्मनी में काफी पहना जाता है।

काऊबॉय हैट: अपने ग्लैमरस लुक के कारण यह काफी प्रचलन में है। इसके किनारे काफी लंबे होते हैं। लंबे किनारों के कारण यह रफ-टफ काम में आरामदायक साबित होती है। लंबे किनारे बरसात और धूप से हैट पहनने वाले को बचाए रखते हैं।

अकूबरा हैट

पनामा हैट

टूडूर बोनट हैट

सांता कैप

फेडोरा: यह हैट कोमल फैब्रिक से बना होता है। इसके आगे की तरफ छोटी छज्जेनुमा संरचना होती है, जबकि पीछे की तरफ यह संरचना बिल्कुल कम हो जाती है। इसके छज्जे के बाद ऊपर की ओर रिबन बंधा रहता है।

ट्रीकोन/ट्रायकॉर्न: परंपरागत रूप से यह हैट ट्रीकोन नामक सॉफ्ट फैब्रिक से बना होता है। चौड़े किनारों वाले इस हैट के किनारे ऊपर की ओर मुड़े होते हैं। जो एक पिन के माध्यम से हैट से जुड़ते हैं। यह पीछे की ओर से पिन से बंधा होता है। इस तरह इसका आकार तीन तरफा होता है।

स्लाउच: यह हैट एक ओर कान की तरफ से ऊपर की ओर मुड़ा होता है। इसके आगे और पीछे के किनारे ज्यादा लंबे होते हैं। सामने और कान के ऊपर की ओर एक बक्कल लगा होता है। यह हैट ज्यादातर हॉर्स राइडर्स और आर्मी के जवान पहनते हैं।

सांब्रेरो: पानी में तैरते टापू की तरह दिखने वाला यह मैक्सिकन हैट ऊपर से एकदम उठा होता है। इसके चारों ओर किनारे लंबे होते हैं। ये किनारे हैट के किनारों तक आते-आते वापस ऊपर की ओर मुड़ते हैं।

टोप हैट

टोप हैट: यह एक खड़ा-लंबा हैट होता है, जिसकी छत सपाट होती है। यह चारों ओर गोलाई में होता है और दूसरे हैट्स की तुलना में ज्यादा ऊंचाई लिए होता है। चारों ओर किनारे वाला यह हैट 19वीं-20वीं शताब्दी में संभ्रांत लोगों यानी एलीट क्लास के लोगों द्वारा पहना जाता था।

टूडूर बोनट: यह मुलायम हैट उल्टी हांडी की तरह दिखाई देता है। यह अकादमी से जुड़ा हैट माना जाता है। इस हैट की खासियत इसमें बंधने वाला रस्सीनुमा फूंदना होता है। इस हैट को अपनी मर्जी के अनुसार टाइट या ढीला किया जा सकता है।

फेज: यह लाल रंग का बिना किनारे वाला हैट होता है। इसमें कोई किनारा नहीं होता। अफ्रीकी इस्लामिक देशों में रहने वाले लोग इसे ज्यादा पहनते हैं।

उशांका: इसे रूसी हैट माना जाता है। यह फर से बना होता है, जो गर्माहट देता है। इसमें किनारों पर मुड़े हुए छज्जे नहीं होते हैं। लेकिन हैट का निचला हिस्सा कानों को कवर करता है।

केपी: यह फ्रांस की मिलिट्री हैट है। सधी हुई गोलाई में बनी यह हैट पहनने वाले को गर्माहट देती है। इसके आगे बना छज्जा इस तरह का होता है कि आंखों को साइड में देखने में कोई परेशानी नहीं होती। यह छज्जा सिर्फ आंखों के ऊपर तक ही होता है।

अकूबरा: यह ऑस्ट्रेलिया में पहनी जाने वाली पॉपुलर कैप है, जो कुछ-कुछ फेडोरा और काऊबॉय हैट जैसी लगती है।

सांता कैप: पारंपरिक रूप से यह क्रिसमस त्योहार पर पहनी जाने वाली कैप है। गहरे लाल रंग की यह कैप पीछे से लंबाई में लटकती है। इसमें सफेद फर किनारों पर लगे होते हैं। *

बेसबॉल कैप

यह सॉफ्ट कैप होती है। दिखने में यह स्पोर्ट्स कैप जैसी दिखती है। इसका छज्जा लंबाई में निकला होता है। यह सिर से कानों तक कवर करती है।

यह सही है कि किसी भी फील्ड में सक्सेस के लिए नॉलेज होना जरूरी है। लेकिन इसके साथ ही अपनी नॉलेज और वर्किंग स्टाइल को दूसरों के सामने इंप्रेसिव तरीके से प्रेजेंट करना भी बहुत जरूरी होता है। यह क्यों जरूरी है, जानिए।

सक्सेस के लिए बहुत जरूरी है प्रेजेंटेशन को बनाएं इंप्रेसिव

{ सक्सेस मंत्र / कीर्तिशेखर }

आज के दौर में ज्ञान के साथ-साथ खुद को पेश करने की कला भी सफल करियर का अभिन्न हिस्सा बन गया है। यह सिर्फ कहने वाली बात नहीं है। समय-समय पर हुए सर्वेक्षणों के आंकड़े भी इस ओर इशारा करते हैं कि बेहतर नौकरी पाने के लिए तकनीकी कुशलता का महज 15 फीसदी योगदान होता है, जबकि बचा हुआ 85 फीसदी सामाजिक और व्यावसायिक सलीके से जुड़ा होता है। इसलिए हमें डिग्रियों या तकनीकी कुशलता के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान पर विशेष तौर पर फोकस करना चाहिए। इसके अलावा खुद को पेश करने की उस कला में भी पारंगत होना चाहिए, जिससे बड़ी संख्या में लोग अनभिज्ञ होते हैं।

कॉम्पिटिशन है बहुत: इसमें कोई दो राय नहीं है कि आज बाजार में बेहतर से बेहतर विकल्प मौजूद हैं। नौकरी पाने वालों के लिए भी और नौकरी देने वालों के लिए भी। यह कहना भी गलत नहीं होगा कि नौकरी देने वालों के सामने विकल्प (अनएंप्लॉयड लोग) बड़ी तादाद में उपलब्ध हैं, जबकि नौकरी पाने वालों के सामने विकल्प एक संघर्ष के तौर पर मौजूद है। संघर्ष इसलिए कि दूसरों से खुद को बेहतर वर्किंग प्रोफेशनल सिद्ध करना होता है। सवाल है, ऐसे में क्या किया जाए? इसका भी जवाब है कि खुद को पेश करने की कला में स्मार्ट हुआ जाए।

कैसे करें स्मार्टली प्रेजेंट: अब सवाल उठता है कि खुद को कैसे पेश किया जाए ताकि हम पहली ही मुलाकात में सामने वाले को आकर्षक और अपनी ओर ध्यान खींचने वाले साबित हो सकें। हालांकि आज की तारीख में अधिकतर यंगस्टर्स खूबसूरत, स्मार्ट और ऊर्जावान दिखने का प्रयास करते ही हैं। मनचाही नौकरी हासिल करने के प्रयास के दौरान प्रेजेंटेबल दिखने के लिए अपने गुड लुक, स्मार्ट और एनर्जेटिक होने के साथ-साथ हमें चाहिए कि हम अपने बिहेवियर में एटिकेट्स और लीडरशिप क्वालिटीज को भी शामिल करें। साथ ही अपनी नॉलेज और इंफॉर्मेशंस को भी लगातार अपडेट करते हुए इसमें शामिल करें। इसमें कोई दो राय नहीं है कि जब तक हम अपने एरिया की नॉलेज और जानकारियां हासिल नहीं कर लेते, तब तक लीडरशिप नहीं निभा सकते। वैसे भी आत्मविश्वास तभी आ सकता है, जब हम ज्ञान से लबरेज हों। इसलिए सबसे पहले हमें अपनी फील्ड की भरपूर और लेटेस्ट जानकारियों के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। बेहतर भविष्य की चाह है तो खुरदुरे राह को खुद ही आसान बनाने का जिम्मा उठाना होगा।

न करें संकोच: खुद को पेश करने की कला यानी आर्ट ऑफ प्रेजेंटेशन में पारंगत होने के लिए सबसे पहले यह जानें कि आखिर खुद में कमी कहां-कहां है? सामान्यतः लोगों में देखने में आता है कि वे अकसर कोई इनिशिएटिव लेने से घबराते हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह यह है कि उनके दिमाग में यह सवाल बार-बार आता रहता है कि कहीं लोग उनकी बात या आइडिया का मजाक तो नहीं उड़ाएंगे? अगर आप इस ख्याल से ग्रस्त हैं तो ध्यान रखें कि आपकी मंजिल अभी बहुत दूर है। अगर आप सफलता को पाना चाहते हैं तो इस बात को गांठ बांध लें कि शुरुआती दिनों में आपके आइडियाज पर लोग हंसेंगे, उसका मजाक बनाएंगे, उसे पहली नजर में ही नकार देंगे। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप असफल हैं। इसका मतलब यह है कि आपमें वो काबिलियत है, जिससे दूसरे लोग घबराते हैं और आपको उभरने नहीं देना चाहते। कहने का मतलब यह है कि अगर लोग आपके नए आइडियाज को गंभीरता से नहीं लेते हैं तो आप उस पर कुछ वर्क करके उसके कुछ रिजल्ट सामने पेश कर खुद को प्रूफ कर सकते हैं।

इन बातों पर दें ध्यान: इंप्रेसिव प्रेजेंटेशन के लिए यह जानना बहुत जरूरी है कि सोसाइटी में, पर्सनल-प्रोफेशनल मीटिंग्स और कॉर्पोरेट गेदरिंग में कैसे व्यवहार करना चाहिए? इसके लिए सेल्फ कॉन्फिडेंस, एटिकेट्स, लुक्स, टेबल मैनर्स, बॉडी लैंग्वेज में सुधार, बातचीत का सलीका, सही उच्चारण की ट्रेनिंग, एंगर मैनेजमेंट, कुलीग्स पीयर प्रेशर मैनेजमेंट, स्ट्रेस मैनेजमेंट के बारे में जानकारी होनी जरूरी है। *

भारत को गांवों का देश कहा जाता है। इनमें से कुछ गांव ऐसे हैं, जो अपनी अनोखी विशेषता के कारण पूरे देश में प्रसिद्ध हैं। ऐसे ही कुछ अनोखे गांवों के बारे में जानिए।

भारत के ये गांव हैं अनोखे

{ रोचक / अभिव्यक्ति त्रिवेदी }

माधोपट्टी आईएएस की फैक्ट्री: उत्तर प्रदेश के जौनपुर में माधोपट्टी नाम का एक गांव ऐसा है, जिसे 'आईएएस की फैक्ट्री' कहा जाता है। इस गांव ने देश को कई आईएएस अधिकारी दिए हैं। यहां से सबसे ज्यादा लोग सिविल सर्विसेज में सफल होते हैं। लगभग 75 परिवारों वाले इस गांव के करीब 47 लोग आईएएस, आईपीएस और आईआरएस जैसे पदों पर कार्यरत हैं। गांव के कई लोग देशभर में बड़े पदों पर तैनात रहे हैं। जिला मुख्यालय से 11 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह गांव तब चर्चा में आया था, जब एक ही परिवार के 5 लोग आईएएस ऑफिसर बने थे। यहां पुरुष ही नहीं, कई महिलाओं का चयन भी सिविल सर्विसेज में हुआ है, वो भी बिना किसी कोचिंग के। यही वजह है कि माधोपट्टी गांव को आईएएस, आइपीएस की 'फैक्ट्री' कहा जाने लगा है।

चंदनकी जहां किसी घर में खाना नहीं बनता: गुजरात में एक छोटा-सा गांव है चंदनकी। इस गांव में ज्यादातर लोग बुजुर्ग हैं। गांव के अधिकतर युवा शहरों या विदेशों में सैटल हो गए हैं। पहले इस गांव की आबादी लगभग 1,100 थी, जो अब करीब 500 रह गई है और इनमें से ज्यादातर बुजुर्ग हैं। इस गांव में रह रहे बुजुर्गों में से कोई भी घर में खाना नहीं बनाता। दरअसल, गांव के सभी लोगों ने मिलकर कम्युनिटी किचेन शुरू किया है। इस किचेन में पूरे गांव के लिए खाना बनता है और हर व्यक्ति को महीने में महज 2000 रुपए की राशि देनी होती है। इसमें उन्हें महीने भर दोनों समय भरपूर भोजन मिलता है। इस रसोई में विभिन्न प्रकार का पारंपरिक गुजराती खाना परोसा जाता है, जिसे पोषण का ध्यान रखकर बनाया जाता है। रसोई के जिस हॉल में लोग बैठकर खाना खाते हैं, वह एयर कंडीशंड हॉल है। इसके लिए सोलर पावर के जरिए बिजली का इस्तेमाल किया जाता है। गांव वालों के लिए ये सिर्फ खाना खाने की जगह नहीं है, बल्कि यहां बैठकर वे सुख-दुख भी बांटते हैं। इस अनोखे आइडिया के पीछे गांव के सरपंच पूनमभाई पटेल हैं, जो न्यूयॉर्क में 20 साल बिताने के बाद अहमदाबाद में अपना घर छोड़कर चंदनकी गांव लौट आए। उन्होंने गांव के बुजुर्गों को खाना बनाने के लिए स्ट्रगल करते देखा, तभी उनके दिमाग में यह आइडिया आया और उन्होंने कम्युनिटी किचेन का कॉन्सेप्ट लोगों को समझाया।

मधापार एशिया का सबसे अमीर गांव: गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है दुनिया के सबसे अमीर गांवों में से एक और एशिया का सबसे अमीर गांव मधापार। करीब 7,600 घरों वाले इस गांव में 17 बैंक हैं। इन सभी बैंकों में ग्रामीणों के लगभग 7 हजार करोड़ रुपए जमा हैं। 17 बैंकों के अलावा इस गांव में स्कूल, कॉलेज, झील, हरियाली, बांध, स्वास्थ्य केंद्र, मंदिर तथा अत्याधुनिक गौशाला भी हैं। दरअसल, मधापार गांव के ज्यादातर लोग एनआरआई हैं, जो यूके, यूएसए, कनाडा समेत दुनिया के कई अन्य हिस्सों में रहते हैं। उन्होंने देश के बाहर पैसे कमाकर गांव की तरक्की में योगदान कर यहां पैसा जमा किया।

कोडिन्ही जुड़वां बच्चों का गांव: इमेजिन कीजिए कि आप कहीं जाएं और वहां एक जैसे दिखने वाले कई सारे लोग एक साथ आपकी नजर के सामने आ जाएं! ऐसा हो सकता है, केरल के कोडिन्ही गांव में। इस गांव में देश में सबसे ज्यादा जुड़वां बच्चे पैदा होते हैं। देश में जहां जुड़वां बच्चों का राष्ट्रीय औसत 1000 जन्मों में 9 के आस-पास है, वहीं कोडिन्ही में यह संख्या 1000 जन्मों में 45 से अधिक है। यह गांव शोधकर्ताओं के लिए किसी रहस्य जैसा है।

शनि शिन्ननापुर यहां घरों में नहीं हैं दरवाजे: महाराष्ट्र के इस गांव में घर तो हैं, लेकिन किसी घर में दरवाजा नहीं लगाया जाता है। यहां आने वाले लोग/पर्यटक भी बिना दरवाजों वाले गेस्ट हाउस में ही रुकते हैं। ऐसी मान्यता है कि भगवान शनि इस गांव के रक्षक हैं। उनके होते हुए गांव में चोरी संभव नहीं है। *

मॉडलिंग से एक्टिंग की दुनिया में आईं निम्रत कौर इन दिनों अपनी नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वह राजघराने की महिला इंद्राणी रायसिंह के रोल में दिख रही हैं। इस रोल को निभाने के लिए उन्हें कैसी तैयारी करनी पड़ी, उनकी फ्यूचर प्लानिंग्स क्या हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत निम्रत कौर से।

मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं: निम्रत कौर

{ खास मुलाकात / पूजा सामंत }

जियो हॉटस्टार पर पिछले दिनों नई वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इस शो की प्रोटोगनिस्ट (मुख्य पात्र) हैं निम्रत कौर। एक शाही घराने की इस रंजिशभरी कहानी में निम्रत ने इंद्राणी रायसिंह का किरदार निभाया है। इस शो के अलावा और भी कई विषयों पर हाल में उनसे लंबी बातचीत हुई। प्रस्तुत है इस बातचीत के प्रमुख अंश-

हाल में वेब सीरीज 'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' रिलीज हुई है। इसे आपने क्यों एक्सेप्ट किया और इसमें अपने किरदार के बारे में कुछ बताइए।

मुझे इस शो की कहानी और इसमें मेरा किरदार दोनों अच्छे लगे। मैंने आज तक इतना उलझा हुआ, इतना कॉम्प्लेक्स किरदार नहीं निभाया था। शो में मेरे किरदार का नाम है इंद्राणी रायसिंह, जो परिवार की दो बहनों में बड़ी बहन है। परिवार में बड़ी बहन होने के कारण इंद्राणी अपनी जिम्मेदारी निभाना बखूबी जानती है। अपनी बहन को लेकर इंद्राणी बहुत प्रोटेक्टिव भी है। इंद्राणी के शाही परिवार में एक साथ कई कहानियां चलती हैं। कई शॉकिंग घटनाएं घटती हैं। किरदारों की परतें खुलती जाती हैं।

'कुल-द लिगेसी ऑफ द रायसिंहस' में को-एक्टर्स के साथ निम्रत कौर

पर्सनल लाइफ में भी आप बड़ी बहन हैं, क्या कुछ समानता है आपमें और इंद्राणी रायसिंह में?

पर्सनल लाइफ में मैं अपनी छोटी बहन रुबीना की दीदी हूं। हमारा रिश्ता बेहद प्यारा और एक-दूसरे को स्पेस देने वाला है। जब भी उसे जरूरत होती है, मैं उसे गाइड करती हूं। मेरी बहन बहुत इंटेलिजेंट है। वह एक साइकोलॉजिस्ट है। मुझे उस पर नाज है।

क्या आपको इंद्राणी की भूमिका निभाने के लिए कुछ होमवर्क करना पड़ा?

यह महलों में रहने वाले शाही परिवार की कहानी है। शो की कहानी और किरदारों में कई ट्विस्ट एंड टर्न्स आते हैं। इंद्राणी रायसिंह राजघराने की ऐसी महिला है, जिसकी लाइफ में कई अप्स एंड डाउंस आते हैं। चूंकि मैं वास्तव में एक मध्यम वर्गीय परिवार से आती हूं, इसलिए इंद्राणी के किरदार, उसके मेंटल स्टेटस को समझना मेरे लिए थोड़ा मुश्किल रहा। इसके किरदार को निभाने के लिए मुझे खुद को फिजिकली से ज्यादा मेंटली प्रिपेयर करना पड़ा।

'लंच बॉक्स', 'एयरलिफ्ट' जैसी फिल्मों की सफलता के बाद लगा कि आपकी फिल्में लगातार आती रहेंगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अच्छे ऑफर नहीं मिले या आप फिल्मों को लेकर काफी सेलेक्टिव हैं?

मेरे लिए ही नहीं, कई सारे लोगों के लिए कोरोना लॉकडाउन के दौर ने जीवन के दो वर्ष में सब कुछ रोक दिया था। उससे थोड़ा पहले मैंने विदेश में काफी काम किया। जैसे ही कोरोना पीरियड खत्म हुआ, साल 2022 से धीरे-धीरे काम पटरी पर आने लगा। मैंने अपने काम का रुख इंडिया में ही केंद्रित किया। जो काम बैकलॉग में किया था, वो अब धीरे-धीरे रिलीज हो रहा है। अमेरिकन टीवी सीरीज 'होमलैंड' मैंने वहां जाकर शूट किया। 2023 में मैंने साइंस फिक्शन सीरीज में काम किया। अब चूंकि इनमें से ज्यादातर काम मेन स्ट्रीम से थोड़ा अलग था, इस वजह से ये मान लिया गया कि मैं फिल्मों से दूर थी, जबकि ऐसा बिल्कुल नहीं है।

आज के दौर की अधिकतर एक्ट्रेसेस, बिजनेस माइंडेड हैं, वे खुद को सक्सेसफुल एंटरप्रेन्योर के रूप में स्थापित कर रही हैं। आलिया भट्ट, दीपिका पादुकोण, अनुष्का शर्मा, कृति सेनन की तरह आप क्या फिल्म प्रोडक्शन के फील्ड में जाना चाहती हैं?

अगर कोई फिल्म निर्माण की पूरी जिम्मेदारी, खासकर बिजनेस पार्ट संभाल ले तो मैं को-प्रोड्यूसर बनने के लिए रेडी हूं। मैं जरा भी बिजनेस माइंडेड नहीं हूं। मैं फौजी जवान, किसान (मां की तरफ से) की बेटी हूं, बिजनेस करने में कच्ची हूं। मुझे फाइनेंस आंकड़ों की गुत्थी समझ नहीं आती। इसलिए मैं अब तक बिजनेस से दूर ही रही हूं।

आजकल सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग बहुत कॉमन है, इस ट्रोलिंग को आप किस नजरिए से देखती हैं? आप खुद ट्रोलिंग को कैसे हैंडल करती हैं?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर मेरी इन्वॉल्वमेंट कम से कम होती है। ये सच है कि आज के युग में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का होना एक नेसेसिटी भी बन गई है। यहां सब कुछ इस बात पर निर्भर करता है कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल कौन, कैसे करता है। जहां तक ट्रोलिंग या ट्रोलर्स की बात है, तो मुझे लगता है उनमें काफी नेगेटिविटी भरी होती है। कई बार ट्रोल्स के शिकार लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है, वे डिप्रेशन में जा सकते हैं। मैं तो ट्रोलर्स के नेगेटिव कमेंट्स पढ़ती ही नहीं।

अगर आपको बायोपिक करना हो तो किसकी बायोपिक करना चाहेंगी?

मैं लेखिका अमृता प्रीतम की बायोपिक करना चाहती हूं। अमृता प्रीतम की आत्मकथा 'रसीदी टिकट' मैंने कई बार पढ़ी है। मैं उनसे काफी प्रभावित भी रही हूं। वक्त से काफी आगे थी अमृता जी। बहुत संवेदनशील लेखिका, हर रिश्ते को उन्होंने बड़ी शिद्दत और सहजता से स्वीकार करते हुए निभाया। निस्वार्थ प्रेम था उनका।

आपके आने वाले प्रोजेक्ट्स कौन-कौन से हैं?

इसी वर्ष मेरी कम से कम तीन फिल्में रिलीज होंगी। साथ ही ओटीटी पर कुछ वेब शो भी दर्शक देख पाएंगे। *